भाद्रपद शुक्ल - 11 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 64 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 26-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 राजग में वापसी की अटकलों पर नीतीश ने बकवास बताया

6 पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबकी जिमेदारी

7 'टाइगर 3' से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं सलमान खान

फर्स्ट टेक

रूस ने ओडेसा प्रांत पर मिसाइल हमला किया

कीव/एपी। रूस ने ओडेसा प्रांत पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया जिससे बंदरगाह, अनाज गोदाम और एक खाली पड़े होटल को नुकसान पहुंचा। इस हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि उसने रविवार रात को सभी हमलावर ड्रोन को नष्ट कर दिया, लेकिन एक मिसाइल और एक ड्रोन ने ओडेसा में ढांचे को नुकसान पहुंचाया। रूस-यूकेन का युद्ध रविवार को 20वें महीने में प्रवेश कर गया। रूस ने पिछले दिनों के दौरान ओडेसा में बंदरगाह और अनाज भंडारण सुविधाओं को लगातार निशाना बनाया है। रूसी बलों ने यूक्रेन के दक्षिणी हिस्से में खेरसोन में बमबारी की, जिससे एक स्कूल, एक कारखाना और रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

अजरबैजान की सेना का नियंत्रण होने के बाद नागोर्नो-काराबाख से हजारों लोगों का पलायन

येरेवान (आर्मेनिया)/एपी। अजरबैजान की सेना द्वारा नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने के बाद हजारों आर्मेनियाई लोग वहां से पलायन कर रहे हैं। इस बीच, तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन अपने सहयोगी देश को समर्थन देने के लिए सोमवार को अजरबैजान का दौरा करने वाले हैं। अजरबैजान की सेना ने पिछले हफ्ते 24 घंटे के अभियान में आर्मेनियाई सेना को हरा दिया। इसके बाद अलगाववादी नेता हथियार डालने के लिए मजबूर हो गए। वे नागोर्नो-काराबाख के अजरबैजान के साथ पुन: एकीकरण को लेकर बातचीत शुरू करने के लिए भी सहमत हो गए हैं। नागोर्नो-काराबाख में तीन दशक से अलगाववादियों का शासन था।

भारत से सामान्य तिथि के आठ दिन बाद मॉनसून की वापसी शुरू

नई दिल्ली/भाषा। भारत में 17 सितंबर की सामान्य तिथि से आठ दिन बाद सोमवार से मॉनसून की वापसी शुरू हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने एक बयान में कहा, ''दक्षिण पश्चिम मॉनसून आज दक्षिण पश्चिम राजस्थान के कुछ हिस्सों से लौटना शुरू हो गया। दक्षिण पश्चिम राजस्थान से इसके लौटने की सामान्य तिथि 17 सितंबर थी।'' इस साल मॉनसून की वापसी में देरी के साथ यह लगातार 13वीं बार है जब मॉनसून देरी से लौट रहा है। उत्तर पश्चिम भारत से मॉनसून की वापसी भारतीय उपमहाद्वीप से इसकी वापसी की शुरुआत का प्रतीक है।

26-09-2023	27-09-2023
सूर्यास्त 6:13 बजे	सूर्योदय 6:08 बजे

BSE	NSE
66,023.69	19,674.55
(+14.54)	(+0.30)

सोना	चांदी
6,161 रु.	74,997 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अलगावी मंसूबे

हिंदू मुस्लिम सिक्ख ईसाई,
सबकी है अपनी पहचान।
सबको यहां बराबर दर्जा,
श्रेष्ठ हमारा है विधान।
जहर घोलने को हैं आतुर,
पाकिस्तान बना शैतान।
शह पाकर सिरफिरे कह रहे,
हमें चाहिए खालिस्तान।।

कावेरी मुद्दे पर आज बेंगलूरु बंद

29 को राज्यव्यापी बंद का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पड़ोसी राज्य तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ कर्नाटक में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच इस सप्ताह दो बंद का आह्वान किया गया है। पहला बंद मंगलवार को बेंगलूरु में और दूसरा राज्यव्यापी बंद शुक्रवार को होगा।

सोमवार को कन्नड़ कार्यकर्ता वाटाल नागराज के नेतृत्व वाले 'कन्नड़ ओक्कुटा' के बैनर तले 29 सितंबर को कर्नाटक बंद की घोषणा की गई। इससे कुछ दिन पहले किसान नेता कुरुबुरु शांताकुमार के नेतृत्व में किसान संघों और अन्य संगठनों के एक प्रमुख संगठन 'कर्नाटक जल संरक्षण समिति' ने मंगलवार को बेंगलूरु बंद का आह्वान किया था। दोनों बंद किसानों और कन्नड़ समर्थक संगठनों के बीच विभाजन को दर्शाते हैं, और अब इस बात को लेकर भी भ्रम पैदा हो गया है कि कौन किस दिन बंद का समर्थन कर रहा है।

एक ओर, शांताकुमार ने कहा है कि वे मंगलवार को बेंगलूरु बंद का समर्थन करेंगे शुक्रवार को राज्यव्यापी बंद का आह्वान करने वाले वाटाल नागराज ने स्पष्ट किया कि 'कन्नड़ ओक्कुटा' कल के बंद का समर्थन नहीं कर रहा। शांताकुमार ने कहा कि उन्हें कल के बंद के आह्वान के लिए कई संगठनों से समर्थन मिला है और वे इसपर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, हम बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करेंगे और अपनी मांगों को लेकर वहां धरना देंगे। राज्य सरकार, मुख्यमंत्री को हमारा ज्ञापन लेना होगा। अगर सरकार की ओर से हमारे विरोध प्रदर्शन पर कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो हम आगे की कार्रवाई पर विचार करके कोई फैसला लेंगे। शांतिपूर्ण बंद का आह्वान करते हुए उन्होंने पुलिस से यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त उपाय करने की भी अपील की कि कोई अप्रिय घटना न हो।

विरोध प्रदर्शन

तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़े जाने के खिलाफ रायथा हितरक्षणा समिति के समर्थन में किसानों ने सोमवार को मांड्या में बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग पर मवेशियों के साथ विरोध प्रदर्शन किया।

अन्नाद्रमुक ने भाजपा से चार साल पुरानी दोस्ती तोड़ी

लोकसभा चुनाव में अलग मोर्चे का नेतृत्व करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के साथ अपने चार साल पुराने गठबंधन को समाप्त करने का ऐलान करते हुए ऑल इण्डिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने सोमवार को घोषणा की कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए एक अलग मोर्चे का नेतृत्व करेगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर निकलने का फैसला यहां अन्नाद्रमुक मुख्यालय में पार्टी प्रमुख ई के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में किया गया। इस फैसले पर खुशी जताते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने यहां मुख्यालय के बाहर पटाखे चलाए।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर निकलने का फैसला यहां अन्नाद्रमुक मुख्यालय में पार्टी प्रमुख ई के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में किया गया।

हाल ही में अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेताओं ने नयी दिल्ली में भाजपा प्रमुख जे पी नड्डा से मुलाकात की थी और उन्हें भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के अन्नामलाई की राजनीति की आक्रामक शैली से बनी राज्य की जमीनी स्थिति से अवगत कराया था। अन्नाद्रदमुक नेताओं ने मांग की थी कि मशहूर द्रविड़ हस्ती दिवंगत सी एन अन्नादुरै पर टिप्पणी को लेकर अन्नामलाई माफी मांगें या उन्हें पद से हटा दिया जाए। आज की बैठक में हुए विचार-विमर्श के बारे में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता के पी मुनुसामी ने कहा कि पार्टी ने राजग से अलग होने और अगले साल होने वाले चुनाव में समान विचारधारा वाले दलों के गठबंधन का नेतृत्व करने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया है।

गडकरी का स्क्रैपिंग नीति का सभी से समर्थन करने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सभी हितधारकों से वाहन स्क्रैपिंग नीति का समर्थन करने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह सबके लिए अच्छी पहल है इसलिए सभी को इसके स्वागत के लिए आगे आना चाहिए।

गडकरी ने सोमवार को यहां हितधारकों से संबंधित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह सभी हितधारकों के लिए फायदे की बात है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने वाहनों की मांग में लचीलापन लाने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं और इस क्रम में राजमार्गों का विश्व स्तरीय नेटवर्क को बढाया जा रहा है, इलेक्ट्रोनिक वाहनों का प्रचलन शुरु किया गया है और वाहनों के लिए अनिवार्य स्वचालित फिटनेस परीक्षण जैसे कदम उठाए गये हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो उत्पादन क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए और देश को दुनिया का सबसे बड़ा ऑटो उद्योग बनने में समर्थन देना चाहिए।

गडकरी ने इस दिशा में स्क्रैपिंग सुविधाएं स्थापित करने को सबसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि इसके लिए जो जरूरी है उस दिशा में सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है।

कांग्रेस अब 'अर्बन नक्सलियों' के हाथ में, सावधान रहें महिलाएं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज विकास से लेकर महिला आरक्षण तक के मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस अब 'अर्बन नक्सलियों' के हाथ में चली गई है और मजबूरी में महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन करने वाले 'घमंडिया' गठबंधन से देश भर की महिलाओं को सावधान रहने की आवश्यकता है।

श्री मोदी आगामी विधानसभा चुनाव के पूर्व यहां आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित करने आए थे। इस दौरान अपने लगभग 50 मिनट के संबोधन में उन्होंने कांग्रेस को ताबड़तोड़ तरीके से निशाने पर लिया।

प्रदेश में पिछले दो विधानसभा चुनावों के पूर्व पार्टी इस प्रकार के कार्यकर्ता महाकुंभ का आयोजन करती है। आज के इस विशाल आयोजन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, पार्टी चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, पार्टी के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश सरकार के कई मंत्री उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब इच्छाशक्ति खो चुकी है। पार्टी के जमीन से जुड़े नेता मुंह पर ताला लगा कर बैठ गए हैं। पहले बर्बाद और अब 'बैंकरप्ट' हो चुकी कांग्रेस का ठेका दूसरों के हाथों में चला गया है। अब कांग्रेस को उसके नेता नहीं चला रहे। वो एक ऐसी कंपनी बन गई है, जहां हर चीज 'आउटसोर्स' हो रही है। ये ठेका अब 'अर्बन नक्सलियों' के हाथ चला गया है। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर काम कर रहा कांग्रेस का हर कार्यकर्ता इस बात को महसूस कर रहा है। कांग्रेस खोखली हो गई है। कांग्रेस के पास भविष्य को लेकर कोई योजना नहीं।

ईडी ने मारे केरल में पीएफआई के सदस्यों से जुड़े स्थानों पर छापे

नई दिल्ली/कोच्चि/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित इस्लामी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) से जुड़े धन शोधन के एक मामले में केरल में सोमवार को कई स्थानों पर छापे मारे। पुलिस ने बताया कि राज्य के एरणाकुलम, त्रिशूर, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया कि वायनाड और त्रिशूर जिलों में पूर्व पीएफआई नेताओं अब्दुल समद और लतीफ के घरों पर भी छापे मारे गए। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन के वित्त पोषण के कथित स्रोत का पता लगाने के लिए छापे मारे गए। केंद्र सरकार ने 28 सितंबर, 2022 को पीएफआई को गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक 'गैरकानूनी' संगठन घोषित किया था और उस पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसा समझा जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय कथित आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े वित्तीय लेनदेन के संबंध में जांच कर रहा है।

जिसका दिल गरीबों के लिए धड़कता है, वही सच्चा लोकसेवक है : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि जिन लोकसेवकों का दिल गरीबों और वंचितों के लिए धड़कता है, वे ही सच्चे लोकसेवक होते हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के हाशिये पर पड़े वर्गों का उत्थान करना उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुर्मू ने कहा, आपको 'फाइल से फील्ड' और 'फील्ड से फाइल' के बीच के संबंध को समझने की कोशिश करनी चाहिए। इस जन-केंद्रित सतर्कता और संवेदनशीलता से आप फाइलों के साथ कहीं अधिक सार्थक तरीके से जुड़ पाएंगे।

राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा कि वे हमेशा उन लोगों के बारे में सोचें जो उन फाइलों से प्रभावित होंगे जिन पर आप काम कर रहे हैं।

साल 2021 बैच के 182 आईएएस अधिकारियों के एक समूह ने यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में मुर्मू से मुलाकात की। ये अधिकारी वर्तमान में विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिवों के रूप में तैनात हैं। उन्होंने कहा, मैंने पिछड़े इलाकों में रहने वाले वंचित वर्ग के लोगों की कठिनाइयों और समस्याओं को करीब से देखा है। मैंने कुछ संवेदनशील लोक सेवकों को भी देखा है जिन्होंने ऐसे लोगों की मदद के लिए अतिरिक्त प्रयास किए।

राष्ट्रपति ने कहा कि एक दयालु लोक सेवक वह होता है जिसका दिल गरीबों और वंचितों के लिए धड़कता है और यही बात उसे केवल करियर नौकरशाह से अलग बनाती है। उन्होंने कहा कि एक समावेशी, प्रगतिशील और संवेदनशील समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं को अधिक स्थान देता है।

पहला 'सी-295' वायुसेना में हुआ शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। पहले सी-295 मध्यम सामरिक परिवहन विमान को सोमवार को भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया, जिससे सेना की रसद तथा अन्य क्षमताओं में इजाफा होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में यहां हिंडन वायु सेना स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सी-295 को वायु सेना में शामिल किया गया। इसके बाद रक्षा मंत्री सिंह 'सर्व धर्म पूजा' में शामिल हुए, जो सी-295 को वायुसेना में शामिल किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित की गई।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी. आर. चौधरी वायुसेना और एयरबस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पहला सी-295 विमान वायुसेना की स्क्वाड्रन संख्या 11 में शामिल किया गया है। यह भारतीय वायु सेना के सबसे पुराने स्क्वाड्रन में से एक है और वर्तमान में वडोदरा वायु सेना स्टेशन में इसका बेस है।

दो 'स्लाइडिंग स्क्रीन' के बाद विमान का अनावरण किया गया। इन स्क्रीन पर '11 स्क्वाड्रन: पायनियर्स ऑफ सी-295 एमडब्ल्यू' और 'राइनोस: द ट्रेलब्लेजर्स ऑफ सी-295 एमडब्ल्यू' लिखा था। नए विमान की तस्वीर भी दिखाई गई। एक सींग वाला गैंडा स्क्वाड्रन 11 का प्रतीक है।

'एयरबस डिफेंस एंड स्पेस कंपनी' ने पहला सी295 परिवहन विमान भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी को 13 सितंबर को सौंपा था।

रिजर्व बैंक ने एसबीआई, इंडियन बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिशानिर्देशों से जुड़े प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने को लेकर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इंडियन बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंकों पर जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने सोमवार को बयान में कहा कि एसबीआई पर 1.3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह मौद्रिक दंड 'ऋण और अग्रिम - वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' और समूह के भीतर लेन-देन तथा कर्ज के प्रबंधन पर जारी निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन नहीं करने को लेकर लगाया गया है।

स्वागत

सोमवार को मैसूरु राजमहल में बांदीपुर, नागरहोल और दुब्बारे एलीफेंट केम्प से दशहरा महोत्सव में भाग लेने के लिए लाए गए हाथियों के दूसरे जत्थे का स्वागत किया गया।

शहरी सहकारी बैंकों में एनपीए को लेकर रिजर्व बैंक 'सहज नहीं' : शक्तिकांत दास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि कुल गैर-निष्पादित संपत्तियां (जीएनपीए) 8.7 प्रतिशत हो गई है। इसे आप अच्छा नहीं मान सकते। कुल मिलाकर यह स्तर नहीं है संतोषजनक

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) में कुल 8.7 प्रतिशत गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) अनुपात को लेकर केंद्रीय बैंक ''सहज नहीं'' है। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों से इस अनुपात को बेहतर करने के लिए काम करने को कहा।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा देश की वित्तीय राजधानी में आयोजित सम्मेलन में यूसीबी के निदेशकों को संबोधित करते हुए दास ने आग्रह किया कि ऐसे ऋणदाताओं को काम करने के तरीके में सुधार करना चाहिए, संबंधित-पक्ष से लेनदेन से बचना चाहिए और अन्य बातों के अलावा कर्ज जोखिमों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। यूसीबी क्षेत्र कई चुनौतियों से भरा हुआ है...जैसा कि हाल में पंजाब एंड महाराष्ट्र बैंक में भी देखा गया।

दास ने यूसीबी के निदेशकों से कहा कि बैंक जमाकर्ताओं पर चलते हैं और मध्यम वर्ग, गरीबों तथा सेवानिवृत्त लोगों की मेहनत की कमाई की सुरक्षा किसी मंदिर या गुरुद्वारे में जाने से कहीं अधिक पवित्र है। उन्होंने कहा कि समग्र स्तर पर कुल तस्वीर अच्छी दिखती है। हालांकि, जीएनपीए और पूंजी पर्याप्तता पर स्थिति ''बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं'' है। उन्होंने कहा कि कुल गैर-निष्पादित संपत्तियां (जीएनपीए) 8.7 प्रतिशत हो गई हैं। इसे आप अच्छा नहीं मान सकते। कुल मिलाकर यह संतोषजनक स्तर नहीं है।

वाणिज्यिक बैंकों का जीएनपीए मार्च, 2023 में दशक के सबसे बेहतर स्तर 3.9 प्रतिशत पर था और व्यापक रूप से इसमें और सुधार होने का अनुमान है।

एनपीए संकट से बेहतर ढंग से निपटने के लिए दास ने सुझाव दिया कि बेहतर आकलन के साथ क्रेडिट जोखिम प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आरबीआई को हितों के टकराव या संबंधित पक्ष लेनदेन के मामलों को लेकर विवाद के बारे में पता चला है जिनसे बचने की जरूरत है।

दास ने कहा कि इसी तरह ऐसे भी मामले हैं कि जानबूझकर कर्ज न चुकाने वाले कई ऐसे व्यक्ति या व्यवसाय हैं जिनके पास भुगतान करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि बकाया ऋण का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शीर्ष 20 इरादतन चूककर्ताओं का है। इसपर ध्यान केंद्रित करने से समग्र एनपीए में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

आरबीआई गवर्नर ने यूसीबी को परिसंपत्ति-देनदारी में विसंगतियों की निगरानी करने, पारदर्शी लेखांकन व्यवहार का पालन करने और आवश्यकताओं तथा खर्च करने की क्षमता के आधार पर लोगों की भर्ती करने को भी कहा।

छात्र को धर्म के आधार पर दंडित किया जाना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मुजफ्फरनगर में एक शिक्षिका के निर्देश पर स्कूल के एक मुस्लिम छात्र को सहपाठियों द्वारा थप्पड़ मारे जाने के मामले में सोमवार को कहा कि अगर किसी छात्र को इस आधार पर दंडित किया जाता है कि वह एक विशेष समुदाय से है, तो यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं हो सकती है।

न्यायालय ने इस मामले में लचर जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए मामले को बेहद ''गंभीर'' करार दिया और उत्तर प्रदेश सरकार को मामले की जांच के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा, ''शिक्षिका ने छात्रों से पीड़ित को उसके धर्म के कारण पीटने को कहा। यह कैसी शिक्षा दी जा रही है?''

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने निर्देश दिए कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी शीर्ष अदालत में रिपोर्ट दाखिल करेंगे। साथ ही उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार को पीड़ित और घटना में शामिल अन्य छात्रों की पेशेवर परामर्शदाताओं से काउंसलिंग कराने का निर्देश दिया।

शीर्ष अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकार की नाकामी का मामला है।

यह प्रावधान जाति,धर्म अथवा लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना 14 वर्ष तक के बच्चों को गुणवत्तापरक,निशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा मुहैया कराने से जुड़ा है।

पीठ महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में मामले की त्वरित जांच कराने का अनुरोध किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर गौर करते हुए कहा कि जिस तरह से काफी देरी के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई, उस पर उसे ''गंभीर आपत्ति'' है।

छापा मारने गए पुलिसकर्मी, कुत्तों की फौज से हुआ सामना

कोट्टायम (केरल)/भाषा। कोट्टायम पुलिस के मादक पदार्थ रोधी दस्ते ने तस्कर होने के संदेह में एक व्यक्ति के घर पर औचक तलाशी की। हालांकि इस दौरान 'खाकी' पोशाक पहने किसी भी व्यक्ति को काटने के लिए प्रशिक्षित कई हिंसक कुत्तों की मौजूदगी के कारण पुलिसकर्मियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुत्तों की मौजूदगी के कारण रविवार रात को तलाशी प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई और आरोपी, कुत्तों के हमलों से बचने की कोशिश में लगे पुलिसकर्मियों की नजर बचा कर भाग निकला। पुलिस ने कहा कि कुत्तों को काबू में कर लिया गया और घर से 17 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया। कोट्टायम के पुलिस अधीक्षक के. कार्तिक आईपीएस ने बताया कि खोज दल संदिग्ध आरोपी के घर पर पहुंचा। इस दल में गांधीनगर थाने के अधिकारी भी शामिल थे। हमें उम्मीद नहीं थी कि वहां इतने हिंसक कुत्ते होंगे। हमें शुरू में तलाशी में परेशानी हुई। सौभाग्य से, कोई अधिकारी घायल नहीं हुआ। एसपी ने कहा, आरोपी ने कुत्तों को खाकी वर्दी वालों को देखते ही काटने की ट्रेनिंग दी थी। बीएसएफ से सेवानिवृत्त एक व्यक्ति ने कुछ समय के लिए उसे कुत्तों को संभालने का प्रशिक्षण दिया था, लेकिन खाकी पहने हुए व्यक्ति को कुत्तों से कैसे कटवाया जाए जैसे सवाल पूछने पर उसे वहां से निकाल दिया गया।

गोयल का पित्रोदा पर प्रहार: गांधी की महत्ता उनके चित्र के आकार से नहीं तय होनी चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने 'गांधी स्मृति' में महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बड़ी तस्वीर होने को लेकर कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा द्वारा सवाल किए जाने के बाद सोमवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि राष्ट्रपिता की महत्ता उनके चित्र के आकार से निर्धारित नहीं होनी चाहिए।

'इंडियन ओवरसीज कांग्रेस' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से यह तस्वीर साझा की और इसको लेकर सवाल खड़ा किया कि आखिर महात्मा गांधी का चित्र प्रधानमंत्री मोदी के चित्र से छोटा क्यों है और इसका उद्देश्य क्या है?

इस पर 'गांधी स्मृति' के उपाध्यक्ष गोयल ने कहा, ''सैम पित्रोदा, आप गांधी की महत्ता को उनकी फोटो के साईज से नापेंगे, आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। 'गांधी स्मृति' का उपाध्यक्ष होने के नाते गांधी जी के सैंकड़ों फोटो, शहीदी स्थल और मूर्ति देखने के लिए आपको 'गांधी स्मृति' आमंत्रित करता हूं।'' उन्होंने यह भी कहा, '' इन सबमें आपको प्रधानमंत्री मोदी की ही एक फोटो क्यों दिखाई दी, जानकर ताज्जुब होता है, जबकि मोदी हमारे 'गांधी स्मृति' के अध्यक्ष भी हैं।''

राकांपा के नाम और चुनाव चिह्न पर निर्वाचन आयोग का फैसला स्वीकार करूंगा: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नाम और चुनाव चिह्न के संबंध में चुनाव आयोग का 'अंतिम' निर्णय स्वीकार करेंगे। अजित पवार और शरद पवार नीत गुट दोनों ने ही पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न पर दावेदारी की है।

अजित पवार पुणे में भगवान गणेश के विभिन्न पंडालों के दौरे से इतर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। अजित पवार जुलाई में आठ विधायकों के साथ महाराष्ट्र की शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार में शामिल हो गए थे। उन्होंने अपने चाचा शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा के अधिकतर विधायकों के समर्थन का दावा किया था साथ ही चुनाव आयोग में पार्टी के नाम और चिह्न पर दावा पेश किया था। शरद पवार गुट ने अजित पवार गुट के इस कदम को चुनाव आयोग में चुनौती दी थी और इस पर निर्णय लंबित है। शरद पवार गुट द्वारा उनके समूह में शामिल होने वाले विधायकों पर कार्रवाई करने के सवाल पर अजित पवार ने कहा कि वे अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि, चुनाव आयोग (ईसी) ही अंतिम निर्णय लेता है। दोनों पक्ष निर्वाचन आयोग के पास गए हैं और तय तारीखों पर वे अपने पक्ष रखेंगे। जहां तक मेरा सवाल है, मैं आयोग के फैसले को स्वीकार करूंगा।'' महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 16 विधायकों (शिवसेना) को अयोग्य ठहराए जाने और मुख्यमंत्री को बदलने की अटकलों पर उन्होंने कहा कि इन सभी खबरों का कोई मतलब नहीं है।

सनातन धर्म विवाद: हिंदू साधु-संतों ने दिल्ली में किया प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सनातन धर्म पर देश भर में जारी विवाद के बीच सोमवार को सैंकड़ों साधु-संतों ने यहां तमिलनाडु भवन के निकट द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका।

प्रदर्शनकारियों ने सनातन धर्म को लेकर इसी प्रकार के बयान देने वाले तथा द्रमुक नेता को समर्थन देने वाले अन्य नेताओं के खिलाफ भी नारेबाजी की।

'दिल्ली संत महामंडल' के बैनर तले प्रदर्शनकारी तख्तियां लिए हुए थे, जिनमें उदयनिधि स्टालिन तथा अन्य की निंदा करने वाली पंक्तियां लिखी हुई थीं। प्रदर्शनकारी सरोजिनी नगर में एक मंदिर से तमिलनाडु भवन की ओर रवाना हुए।

पुलिस ने उन्हें अफ्रीका एवेन्यू पर रोका जिसके बाद उन्होंने उदयनिधि और अन्य के पुतले फूंके। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुखों को अपने नेताओं को 'सनातन धर्म' के खिलाफ बयान जारी करने से रोकना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने साथ ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन से अपने बेटे के कृत्य के लिए माफी की मांग की।

दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष नरायण गिरि महाराज ने कहा कि इस मामले में राज्य सरकार की चुप्पी से वह हैरान हैं। उन्होंने कहा,''यहां तक की उच्चतम न्यायालय ने भी सनातन धर्म के खिलाफ नेताओं के घृणा भाषण का संज्ञान लिया। सनातन धर्म के खिलाफ नेताओं की जो भाषा है वह सुमदायों के बीच द्वेष पैदा करती है और इस प्रकार के राजनेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने हाल में सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की थी और इसके उन्मूलन की बात कही थी, जिसके बाद देश भर में विवाद पैदा हो गया था।

'भारत का विदेश व्यापार 2030 तक 1,200 अरब डॉलर बढ़ सकता है'

नई दिल्ली/भाषा। बंदरगाह और सीमा शुल्क परिचालन को सुव्यवस्थित करने और राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क की स्थापना जैसे उपायों से भारतीय कंपनियों को वैश्विक मूल्य शृंखला से जुड़ने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही देश 2030 तक विदेश व्यापार में 1,200 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि कर सकता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। जीटीआरआई ने कहा कि इस समय विभिन्न जीवीसी-प्रासंगिक उत्पाद श्रेणियों में पर्याप्त विनिर्माण क्षमता होने के बावजूद वैश्विक मूल्य शृंखला (जीवीसी) में भारत की सीमित भागीदारी के चलते देश की निर्यात क्षमता बाधित होती है। जीवीसी में भारतीय कंपनियों का एकीकरण जरूरी है, क्योंकि लगभग 70 प्रतिशत वैश्विक व्यापार इन शृंखलाओं के भीतर संचालित होता है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी से लेकर दवा और परिधान तक उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है।

फडणवीस ने ब्लैकमेल और रंगदारी में शामिल 'मथाडियों' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ब्लैकमेल और रंगदारी में शामिल 'मथाडी' (पल्लेदारों) की पहचान करने के लिए संयुक्त प्रयास करने का आह्वान किया और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। वाशी में मथाडी नेता अन्नादसाहेब पाटिल की जयंती के मौके पर आयोजित एक रैली में फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार 'मथाडी' पर कोई अधिनियम नहीं थोपना चाहती बल्कि यह सिर्फ उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 50 साल से अधिक पुराने मौजूदा अधिनियम में संशोधन कर रही है। उन्होंने कहा, फर्जी और जबरन वसूली करने वाले मथाडियों द्वारा उत्पन्न समस्याओं के कारण कई उद्योग राज्य से बाहर चले गए हैं।

फडणवीस ने नवी मुंबई पुलिस को सौदों में 25 प्रतिशत पैसा लेने वाले फर्जी 'मथाडियों' के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, मथाडी, हमाल और अन्य मैनुअल श्रमिक अधिनियम में संशोधन करते समय हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अन्नासाहेब पाटिल द्वारा परिकल्पित अधिनियम की आत्मा बरकरार रहे।

फडणवीस ने कहा कि मराठा समुदाय को आगे लाने की जरूरत है और उनका विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक महामंडल के माध्यम से मराठा समुदाय के 70,000 से अधिक लोग कारोबारी बने हैं, उन्हें 5,000 करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है और सरकार ने इसके लिए प्रति वर्ष 507 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

यूनिटेक मामला: ईडी ने अस्थायी तौर पर 125 करोड़ रुपये से अधिक की जमीन कुर्क की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यूनिटेक समूह से जुड़े धन शोधन के आरोपों की जांच के सिलसिले में यूनिटेक इंफोपार्क लिमिटेड की 125.06 करोड़ रुपये की जमीन को अस्थायी तौर पर कुर्क कर लिया है। यह मामला यूनिटेक समूह से घर खरीदने वालों की शिकायतों से उत्पन्न आरोपों से जुड़ा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने 4.79 एकड़ जमीन की 39.83 फीसदी हिस्सेदारी को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह जमीन चेन्नई में यूनीवर्ल्ड सिटी टाउनशिप का हिस्सा है।

तेलंगाना भाजपा प्रमुख किशन रेड्डी 'महिला विरोधी' एआईएमआईएम से मित्रता को लेकर बीआरएस पर बरसे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने कहा कि वह जानना चाहते हैं कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) संसद में महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ मित्रता कैसे बरकरार रख सकती है।

रेड्डी ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, ''(प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी वह नेता हैं जिन्होंने पिछले नौ वर्षों में अनुच्छेद-370, राम जन्मभूमि, गरीबों के लिए शौचालयों के निर्माण और कर से संबंधित तमाम लंबित मुद्दों पर क्रांतिकारी फैसले लिए।'' उन्होंने कहा कि केंद्र के महत्वपूर्ण निर्णय के बदौलत महिलाओं के लिए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में एक तिहाई सीटें आवंटित करने के प्रावधान वाला विधेयक नए संसद भवन में पारित हो चुका है।

रेड्डी ने कहा कि दुर्भाग्य से संसद में महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाली एकमात्र पार्टी एआईएमआईएम थी।

एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का 'गुरु' बताते हुए रेड्डी ने कहा कि राव को लोगों को जवाब देना चाहिए कि 'वह (बीआरएस) उस पार्टी (एआईएमआईएम) के साथ मित्रता कैसे रख सकते हैं जो महिलाओं की विरोधी है।'

विधेयक की मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं लेने वाले तेलंगाना के तीन कांग्रेस सांसदों का परोक्ष संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि यह शर्म की बात है कि एआईएमआईएम और तीन कांग्रेस सांसद तेलंगाना राज्य से हैं।

तेलंगाना से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य कोमतीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने किशन रेड्डी की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई।

वेंकट रेड्डी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि किशन रेड्डी कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि मतदान के समय कई भाजपा सांसद भी संसद में मौजूद नहीं थे।

वेंकट रेड्डी ने सफाई दी कि कांग्रेस सांसद उस समय इसीलिए सदन में मौजूद नहीं थे क्योंकि वह यातायात जाम में फंस गए थे।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में तेंदुए दिखे, दहशत में लोग

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में सुजानपुर क्षेत्र के रिहायशी हिस्से में तेंदुए देखे गए हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई है और हमले के डर से शाम के समय वे बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। ग्रामीणों द्वारा इलाके में तेंदुओं के कुछ वीडियो भी रिकॉर्ड किए गए हैं जबकि कुछ सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। उपमंडल अधिकारी राकेश शर्मा ने बताया कि लोगों को हमलों से बचाने के लिए वन विभाग ने इन इलाकों में जगह-जगह पिंजरे लगाने का आदेश दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि सुजानपुर टीरा उपमंडल के टीरा पंचायत, डेरा और धमदियाना इलाकों में तेंदुए देखे गए हैं। टीरा के निवासी विजय कुमार ने कहा, ''मैंने दो दिन पहले सुबह के समय मेहली खड्ड (नाला) के पास तीन तेंदुओं को देखा था और अपने मोबाइल पर एक वीडियो भी बनाया।'' उन्होंने बताया कि तेंदुए कुछ देर बाद ही पास के जंगलों की तरफ चले गए। टीरा के ग्राम पंचायत के प्रधान वामदेव ने कहा कि तेंदुए ने बकरियों को अपना शिकार बनाया है और मामले की सूचना स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों को दे दी गई है।

पायलटों और अकासा एयर के बीच रोजगार समझौते में हस्तक्षेप नहीं कर सकते: डीजीसीए

नई दिल्ली/भाषा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया है कि वह पायलटों और 'अकासा एयर' के बीच रोजगार समझौते में हस्तक्षेप नहीं कर सकता, जिसने नोटिस अवधि पूरी किए बिना इस्तीफा देने वाले पायलटों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। डीजीसीए ने कहा कि यह संबंधित पक्षों के हित में होगा कि याचिकाकर्ता कंपनी 'अकासा एयर' उड़ान संचालन को बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या में पायलट नहीं होने पर सीमित संचालन बनाए रखने संबंधी डीजीसीए के आदेश का अनुपालन करे। डीजीसीए ने नई विमानन कंपनी 'अकासा एयर' की एक याचिका के जवाब में अपनी लिखित दलीलें दायर कीं। अकासा एयर की याचिका में कहा गया है कि अनिवार्य नोटिस अवधि पूरी किए बिना अचानक 43 पायलटों के इस्तीफा देने से कंपनी संकट की स्थिति में है। न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने 19 सितंबर को कंपनी की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था और पक्षों से अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा था।

तेलंगाना की राज्यपाल ने एमएलसी की नियुक्ति पर कैबिनेट की सिफारिश खारिज की, बीआरएस ने जताई नाराजगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने प्रदेश में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता श्रवण दासोजू और पूर्व विधायक कुर्रा सत्यनारायण को राज्यपाल के कोटे के तहत विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में नामित करने की राज्य कैबिनेट की सिफारिश खारिज कर दी है। समझा जाता है कि राज्यपाल ने प्रासंगिक नियमों के अनुसार दो व्यक्तियों के नामांकन के लिए अनुपयुक्त होने का हवाला दिया है। राज्यपाल के फैसले की निंदा करते हुए तेलंगाना के विधायी मामलों के मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि दोनों का नामांकन खारिज करना पूरी तरह से गलत है, क्योंकि उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि है।

रेड्डी ने विज्ञप्ति में कहा कि श्रवण दासोजू और कुर्रा सत्यनारायण क्रमशः सर्वाधिक पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से ताल्लुक रखते हैं और उन्हें नामित करने से इनकार करना तेलंगाना के एमबीसी और एसटी (एरुकुला) समुदाय का अपमान करने के समान है। रेड्डी ने कहा कि सौंदर्यराजन ने तेलंगाना राज्य आंदोलनकारियों का अपमान किया है, क्योंकि दासोजू और कुर्रा सत्यनारायण की पृष्ठभूमि राजनीतिक थी, जबकि सौंदर्यराजन को भाजपा की तमिलनाडु इकाई की अध्यक्ष होने के बावजूद राज्यपाल पद पर नियुक्त किया गया। मंत्री ने कहा, अगर सौंदर्यराजन में जरा-भी नैतिकता है, तो उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने राय दी थी कि केंद्र-राज्य संबंधों पर सरकारिया आयोग के विचार के अनुसार उन लोगों को राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए, जो राजनीति से संबंधित नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि हालांकि भाजपा की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष को राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया, जो सरकारिया आयोग की सिफारिशों के खिलाफ है। रेड्डी ने कहा सौंदर्यराजन को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है, क्योंकि वह राजनीति से जुड़ने के बाद राज्यपाल बनीं।

कावेरी जल विवाद : आज 'बेंगलूरु बंद' का आह्वान

जनजीवन, कारोबार समेत कई कार्यों पर पड़ सकता है असर ■ मुख्यमंत्री ने शांति व्यवस्था कायम रखने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का पानी छोड़ने के संबंध में तेज होते विरोध प्रदर्शनों और बंद के आह्वान के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को स्पष्ट किया कि राज्य सरकार प्रदर्शनकारियों को नहीं रोकेगी। हालांकि उन्होंने शांति व्यवस्था कायम रखने पर जोर दिया। बता दें कि कावेरी जल मुद्दे को लेकर बेंगलूरु में कई संगठनों ने 26 सितंबर को बंद का आह्वान किया है। इससे शहर में जनजीवन, कारोबार समेत कई कार्यों पर असर पड़ सकता है। वहीं, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में अगली सुनवाई के दौरान अपने तर्क अधिक मजबूती से रखेगी और वह राज्य के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद काफी समय से चला आ रहा मुद्दा है। दोनों राज्य इस नदी के पानी पर अपने अधिकार का दावा करते हैं। इससे कई बार तनावपूर्ण हालात बन जाते हैं।

कई संगठनों का समर्थन

कुछ किसान संगठनों ने इस मुद्दे पर मंगलवार को 'बेंगलूरु बंद' का आह्वान किया है। इसी तरह कन्नड़ कार्यकर्ता वाटाल नागराज के नेतृत्व में 'कन्नड़ ओक्कुटा' के बैनर तले कई कन्नड़ संगठनों ने भी 29 सितंबर को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है।

'अपने तर्क और मजबूती से रखेंगे'

ताजा हालात पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, 'हमने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और विनियमन समिति के आदेशों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय ने हमारा, तमिलनाडु का भी बंटवारा खारिज कर दिया। उन्होंने (तमिलनाडु) शुरू में 24,000 क्यूसेक की मांग की, फिर 7,200 क्यूसेक की। हमने कहा कि हम 5,000 क्यूसेक भी नहीं दे सकते, क्योंकि पानी ही नहीं है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'शीर्ष न्यायालय ने इसे स्वीकार नहीं किया और मामला 26 सितंबर को न्यायालय के सामने आ रहा है। हम अपने तर्क और मजबूती से रखेंगे।'

ये सेवाएं हो सकती हैं बाधित

दूसरी ओर गन्ना उत्पादक संघ के अध्यक्ष कुरुबुरु शांताकुमार ने कहा कि 'हम स्कूलों और कॉलेजों से बंद रहने का अनुरोध करते हैं। यह किसी संगठन द्वारा नहीं, बल्कि बेंगलूरु के लोगों द्वारा किया गया बंद का आह्वान है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी कंपनियों और फिल्म चैंबर्स ऑफ कॉमर्स को भी बंद को अपना समर्थन देना चाहिए। दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान स्वेच्छा से कारोबार बंद रखें।' कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) स्टाफ एंड वर्कर्स फेडरेशन ने भी 'बेंगलूरु बंद' को समर्थन दिया है। इस तरह केएसआरटीसी और बीएमटीसी, दोनों की ही सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

'किसानों के साथ खड़े हैं'

राज्यभर में 175 से अधिक संगठनों ने बंद को समर्थन देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि वे विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ खड़े हैं।इसी तरह, होटल और रेस्तरां संघों ने बंद को अपना समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि वे मंगलवार को अपने आउटलेट बंद रखेंगे। उन्होंने शहर के सभी रेस्तरां मालिकों से अपने प्रतिष्ठान एक दिन के लिए बंद रखने का आह्वान किया। कई कंपनियां, विशेषकर छोटी और स्थानीय कंपनियां भी बंद रह सकती हैं।

ये सेवाएं जारी रहेंगी

हालांकि बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लि. मंगलवार को शहरभर में मेट्रो सेवाएं जारी रखेगी। बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो की किसी भी लाइन पर कोई व्यवधान नहीं होगा। आपातकालीन सेवाओं से संबंधित वाहन, जैसे एम्बुलेंस, फार्मा वाहन और अन्य महत्त्वपूर्ण सामान ले जाने वाले वाहन चलेंगे। अस्पताल और मेडिकल स्टोर भी सामान्य रूप से चलेंगे।

अधिकारी हाई अलर्ट पर

बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि सभी आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाएं और उपाय लागू किए जा रहे हैं। तमिलनाडु में रजिस्टर्ड किसी भी बस या निजी वाहन पर पथराव जैसी घटनाओं को लेकर अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं, खासकर सीमा के पास।

विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, 'लोकतंत्र में हम (सरकार) विरोध प्रदर्शनों को नहीं रोकेंगे, लेकिन भाजपा और जद (एस) इस मुद्दे पर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।'

भाजपा और जद (एस) द्वारा सरकार से इस्तीफा देने और चले जाने के लिए कहने के सवाल पर उन्होंने कहा, '...वे राजनीति कर रहे हैं, वे और क्या कहेंगे? उन्होंने सर्वदलीय बैठक के दौरान यह नहीं कहा।'

लोगों को न हो कोई भी कठिनाई

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने यह कहते हुए कि सरकार राज्य के हित में सबकुछ करेगी, क्योंकि भूमि, पानी और भाषा की रक्षा करना प्राथमिकता है, इस बात पर जोर दिया कि हम विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करने की कोशिश नहीं करेंगे, लेकिन शांति बनाए रखनी होगी और लोगों को कोई भी कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारी पार्टी के लोगों ने भी फोन करके मुझसे विरोध प्रदर्शन के बारे में बात की। मैंने कहा, यह आपका अधिकार है और इसकी रक्षा करें ... लेकिन विरोध या बंद का आह्वान करने से पहले न्यायालय के आदेशों के बारे में समझना होगा। सिर्फ मीडिया प्रचार के लिए इस तरह का आह्वान करना ठीक नहीं है, क्योंकि इसके कानूनी परिणाम हो सकते हैं। सबकुछ ध्यान में रखते हुए उन्हें निर्णय लेने दीजिए।'

पानी छोड़ना मुश्किल होगा!

चूंकि पिछले कुछ दिनों में कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश के कारण जल बहाव थोड़ा बेहतर हुआ है, शिवकुमार ने कहा, 'सरकार ने क्लाउड सीडिंग की संभावना पर भी चर्चा की है और इस पर दो-तीन तरह की राय सामने आई है। ... लेकिन आने वाले दिनों में पानी छोड़ना मुश्किल होगा।' उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने 21 सितंबर को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया, जिसने कर्नाटक सरकार को 13 सितंबर से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देशों का समर्थन किया था।

आज बंद को लेकर समर्थकों में मतभेद

इस बीच, 'ओला-उबर ड्राइवर्स एसोसिएशन' ने सोमवार को कहा कि वे कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा बुलाए गए 29 सितंबर के कर्नाटक बंद को पूरा समर्थन देंगे, लेकिन कल के बंद का समर्थन नहीं करेंगे। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, कल हमारी सेवाएं सामान्य रहेंगी। यह निर्णय आज कन्नड़ समर्थक और विभिन्न संगठनों की मौजूदगी में हुई बैठक में लिया गया।

एसोसिएशन ने कहा कि वाहन चालक वित्तीय समस्याओं से जूझ रहे हैं और उनकी राय है कि वे दो दिन काम बंद नहीं कर सकते।

'होटल ओनर्स एसोसिएशन' ने भी भ्रम की स्थिति का हवाला देते हुए मंगलवार बंद के लिए समर्थन वापस लेने का फैसला किया है और कहा है कि सभी होटल और रेस्तरां खुले रहेंगे। हालांकि, ऑटो और टैक्सियों का संचालन करने वाले संघों और यूनियनों ने कल के बंद के आह्वान को अपना पूरा समर्थन दिया है, और केएसआरटीसी स्टाफ एंड वर्कर्स फेडरेशन ने भी बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) के कर्मचारियों से सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक डिपो से कोई भी बस नहीं चलाने के लिए कहा है। मेट्रो सेवाओं पर बंद के आह्वान का असर पड़ने की आशंका नहीं है और वे सामान्य रूप से चलती रहेंगी।

अगर हवाई सफर कर रहे हैं तो ...

'बेंगलूरु बंद' के मद्देनजर केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे तक आवागमन प्रभावित होने की आशंका के चलते विभिन्न एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों के लिए सलाह जारी की है। अकासा एयर ने यात्रियों को अपनी उड़ान के प्रस्थान से कम से कम तीन घंटे पहले हवाईअड्डा पहुंचने के लिए कहा है।

एयरलाइंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, '26 सितंबर को बेंगलूरु में घोषित बंद के कारण हवाईअड्डे तक आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं पर असर पड़ सकता है। हम निर्बाध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए अनुशंसा करते हैं कि आप अतिरिक्त यात्रा समय की योजना बनाएं और अकासा एयर उड़ान के प्रस्थान से कम से कम 3 घंटे पहले हवाईअड्डे पर पहुंचें।' उसने कहा, 'यदि आप 26 सितंबर को बेंगलूरु से यात्रा नहीं करने का विकल्प चुनते हैं तो हमारे अकासा केयर सेंटर को +91 9606 112131 पर कॉल करके बिना किसी अतिरिक्त लागत के वैकल्पिक उपलब्ध उड़ान पर फिर से बुक करने का अनुरोध कर सकते हैं।' यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा के लिए पर्याप्त समय दें और लास्ट मिनट की किसी भी परेशानी से बचने के लिए प्रस्थान समय से कम से कम 180 मिनट पहले पहुंचें।' विस्तारा एयरलाइंस ने कहा कि उसकी उड़ानें मौजूदा कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगी। एक यात्री को दिए जवाब में उसने कहा, 'कृपया सूचित रहें कि हमारी उड़ानें वर्तमान शेड्यूल के अनुसार संचालित होती रहेंगी।' उसने किसी भी अतिरिक्त अपडेट या बदलाव के लिए आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों से जानकारी लेने की सलाह दी है।

कर्नाटक में जनता दर्शन तालुक स्तर पर आयोजित किया जाएगा : गुंडू राव

मंगलूरु/दक्षिण भारत। जनता की शिकायतों को दूर करने के लिए कर्नाटक सरकार का जनता दर्शन कार्यक्रम भविष्य में तालुक स्तर पर आयोजित किया जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को यह जानकारी दी। यहां टाउनहॉल में कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए राव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग अपनी शिकायतें तभी साझा कर पाएंगे, जब जनता दर्शन सभी तालुक में आयोजित किया जाएगा। राव दक्षिण कन्नड जिले के प्रभारी भी हैं।

उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम जिले के सभी तालुक में बारी-बारी से आयोजित किया जाएगा और सभी जिला प्रभारी मंत्री लोगों के अनुकूल प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए राज्यभर में जनता दर्शन का आयोजन करेंगे। राव ने कहा कि कार्यक्रम में उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा और अधिकारियों को ऐसी बैठकों में उठाई गई शिकायतों पर की जाने वाली कार्रवाई के बारे में सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।

यह शराब की गारंटी वाली सरकार: बोम्मई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में मौजूदा कांग्रेस सरकार को 'शराब गारंटी सरकार' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मौजूदा सूखे में पानी उपलब्ध कराने में विफल रही है लेकिन हर जगह शराब उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। बोम्मई ने ट्वीट कर कहा कि पंचायत स्तर पर नई शराब की दुकानें खोलने का निर्णय राज्य सरकार के नैतिक दिवालियापन को दर्शाता है।

एक तरफ सरकार गारंटी के नाम पर प्रत्येक महिला को 2,000 रुपये दे रही है, और दूसरी तरफ सरकार ने शराब की दुकानों के माध्यम से उनके पतियों से वह पैसा छीनने का एक नया तरीका ढूंढ लिया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही, 2,000 रुपये की गारंटी योजना ने बहू और सास के बीच इस बात को लेकर दरार पैदा कर दी है कि मुखिया कौन है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. BE-29-2023-24-OT-16
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
एसएमवीटी में केंद्रीकृत एसी संयंत्र की मरम्मत।	रू. 28,26,048/-

बोली जमा करने की अंतिम तिथि: 16.10.2023 की 17:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता / बेंगलुरु
PUB/389/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. CAO/CN/BNC/145/2023 दिनांक: 07/02/2023 को शुद्धिपत्र-3
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
ईपीसी मोड पर दूरसंचार और विद्युत कार्यों सहित धारवाड़-बेलगावी नई लाइन परियोजना (73.10 किमी) के तहत क्याराकोप्पा (छोड़कर) (सीएच: 6100) और मम्मीगट्टी (शामिल) (सीएच: 17800) (11.700 किमी) के बीच नई ब्रॉड गेज लाइन ट्रैक का निर्माण. (निविदा संदर्भ सं: डीडब्ल्यूआर-बीजीएम-ईपीसी-01)।	रू. 243,66,29,736/-

समापन की मौजूदा तिथि: 05.10.2023 की 11:00 बजे तक।
समापन की संशोधित तिथि: 05.12.2023 की 11:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता/निर्माण/वर्क्स/बेंगलुरु छावनी
PUB/390/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

भाजपा और जद-एस के नेता कांग्रेस में शामिल होने को तैयार

असंतुष्ट मुख्यमंत्री से कर रहे चर्चा : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य पार्टी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि गठबंधन से असंतुष्ट भाजपा और जद (एस) के नेता कांग्रेस में शामिल होने के लिए आगे आ रहे ह । शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस मामले पर मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और कैबिनेट मंत्रियों के साथ चर्चा की जा रही है।

उन्होंने कहा, 'हमने जमीनी स्तर पर भाजपा और जद (एस) पार्टी कार्यकर्ताओं को शामिल करने के लिए हरी झंडी दे दी है। हम दल-बदल विरोधी कानून को लेकर भी सावधान हैं।' गठबंधन की घोषणा के बाद, बड़ी संख्या में नेताओं, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित नेताओं, ने जद (एस) छोड़ने का फैसला किया है। जनता दल (एस) के प्रदेश अध्यक्ष सीएम इब्राहिम ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन मुस्लिम नेता इस संबंध में बैठक कर चुके हैं।

जब शिवकुमार से लोकसभा सीटों के लिए मंत्रियों को पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटों के लिए पर्यवेक्षक पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि, भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल विदेश में हैं और बिजली मंत्री के.जे. जॉर्ज अब पार्टी की केंद्रीय समिति में हैं, इसलिए उन्हें पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त नहीं किया गया है।

शिवकुमार ने बताया, मुझे 10 दिन में सभी लोकसभा सीटों की रिपोर्ट मिल जाएगी। उम्मीद है कि हर सीट के लिए दो से तीन नाम फाइनल कर लिए जाएंगे। उम्मीदवारों की पहली सूची जनवरी से पहले जारी की जाएगी। जब शिवकुमार से आलाकमान द्वारा मंत्रियों को लिखे गए उस पत्र के बारे में पूछा गया जिसमें उनसे अधिक उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन पर चर्चा न करने के लिए कहा गया था, तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

झूठा हलफनामा : कर्नाटक कांग्रेस विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर झूठा हलफनामा दाखिल करने को लेकर कारवार से कांग्रेस विधायक सतीश सेल के खिलाफ राज्य चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज की गई है। बेंगलूरु के शेषाद्रिपुरम के रहने वाले श्रीनिवास ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड उनकी पत्नी कल्पना सेल और उनके नाम पर है। इसके बारे में जानकारी उनके चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई है। साथ ही, हलफनामे में कंपनी के बैंक लेनदेन का भी उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे संदेह पैदा हुआ। आरोप है कि विधायक सेल ने मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर जमीन गिरवी रखकर 63 करोड़ 90 लाख रूपए से ज्यादा का लोन लिया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि किसी खास मकसद के लिए दी गई जमीन को 30 साल के लिए गिरवी रखना कानून के खिलाफ है।

हलफनामे में क्रेडिट का कोई जिक्र नहीं किया गया है और केवल बचत खाते का विवरण दिया गया है। शिकायतकर्ता ने इस संबंध में कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया था। हाल ही में कर्नाटक हाई कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते, जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को अयोग्य घोषित करने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।

देवेगौड़ा ने कावेरी नदी क्षेत्र के जलाशयों का अध्ययन बाहरी एजेंसी से कराने की मोदी से अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपील की कि वह कावेरी नदी क्षेत्र के सभी जलाशयों के अध्ययन के लिए कोई बाहरी एजेंसी नियुक्त करने का जल शक्ति मंत्रालय को निर्देश दें, जो इस नदी से जुड़े विवाद में शामिल राज्यों एवं केंद्र सरकार से स्वतंत्र हो। उन्होंने ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में सभी संबंधित राज्यों पर लागू होने वाले एक 'उचित फॉर्मूले' की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून से सितंबर के बीच) के नाकाम रहने के कारण कर्नाटक में कावेरी नदी क्षेत्र के चार जलाशयों में अपर्याप्त जल भंडार हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में इतनी गंभीर स्थिति है कि सिंचाई तो दूर, पीने के पानी की जरूरतें भी ठीक से पूरी नहीं हो पा रही हैं। जनता दल (एस) प्रमुख देवेगौड़ा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में वह पत्र जारी किया जिसे उन्होंने 23 सितंबर को प्रधानमंत्री को लिखा था। पत्र में उन्होंने कर्नाटक के जलाशयों से तमिलनाडु के लिए कावेरी का जल छोड़ने के मामले में दोनों राज्यों के बीच मौजूदा विवाद और मतभेद का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कावेरी नदी क्षेत्र के सभी चार जलाशयों में 23 सितंबर तक उपलब्ध संयुक्त जल भंडार केवल 51.10 टीएमसी है, जबकि खड़ी फसलों और पीने के पानी की जरूरत 112 टीएमसी की है।

देवेगौड़ा ने अपने पत्र में लिखा कि अब तक 40 टीएमसी पानी दिए जाने के बाद अतिरिक्त पानी छोड़ने के लिए दबाव बनाने का तमिलनाडु का रवैया न केवल अन्यायपूर्ण बल्कि समानता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ भी है। उन्होंने कहा कि पीने का पानी उपलब्ध कराना संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है और इसे राष्ट्रीय जल नीति में सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

मौजूदा विवाद के हल के लिए उन्होंने कावेरी जल क्षेत्र के जलाशयों का तुरंत अध्ययन करने की खातिर कोई बाहरी एजेंसी नियुक्त करने का जल शक्ति मंत्रालय को निर्देश देने का सुझाव दिया।

मछली पकड़ने वाले बंदरगाह पर बैनर को लेकर विवाद, संघ ने स्पष्टीकरण दिया

मंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के पुराने बंदरगाह पर 'मंगलूरु मछली बंदरगाह कच्ची मछली विक्रेता संघ' की ओर से लगाए गए एक बैनर को लेकर विवाद शुरू हो गया है। बैनर में मछली विक्रेताओं को 28 सितंबर को ईद मिलाद के मौके पर अनिवार्य रूप से अवकाश लेने के लिए कहा गया है। बैनर में जारी दिशा-निर्देश में जिक्र है कि सभी मछली विक्रेताओं को इन नियमों का पालन करना होगा और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाएगा उसे मछली पकड़ने की गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और वह संघ की तरफ से किसी प्रकार के समर्थन का हकदार नहीं होगा।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता शरण पंपवेल ने फेसबुक पर एक पोस्ट के माध्यम से बैनर मामले को उठाया, जो वायरल हो गया। विहिप नेता ने अधिकारियों से बंदरगाह पर लगाए गए इस बैनर के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए संघ के अध्यक्ष के. अशरफ ने सोमवार को एक बयान में स्पष्ट किया कि उनका संगठन विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श के बाद इस फैसले पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि उनका मकसद हिंदू, ईसाई और मुस्लिम त्योहारों के लिए छुट्टी की घोषणा कर व्यापार के संचालन में होने वाले गतिरोध को रोकना है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फैक्स : 080-28094180 फोन : 080-28094178,4541
संक्षिप्त ई-निविदा सूचना
संशोधन - II दिनांक 25.09.2023
भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/सीओएन/ई-निविदा-24 2023-2024 दिनांक 16.08.2023
कार्य का नाम	ईस्ट्रक परिसर, एससीसी, बेंगलूरु में 2x60केवीए ऑनलाइन समानांतर निरर्थक यूपीएस प्रणाली की आपूर्ति और परीक्षण का कार्य ।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 62.47 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	तीन (03) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	17.08.2023 को 16.00 बजे से 05.09.2023 को 10.00 तक । जिसे 19.09.2023 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 03.10.2023 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण	18.08.2023 को 11.00 बजे से 06.09.2023 को 16.00 तक । जिसे 20.09.2023 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 04.10.2023 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	07.09.2023 को 16.00 बजे तक जिसे 21.09.2023 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 05.10.2023 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	08.09.2023 को 16.00 बजे तक जिसे 22.09.2023 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। अब 06.10.2023 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	11.09.2023 को 11.00 बजे से जिसे 25.09.2023 को 11.00 तक बढ़ाया गया था। अब 09.10.2023 को 11.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।
ईएमडी	रु. 1,24,940.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

वंदे भारत

काचीगुड़ा-यशवंतपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की अगवानी के लिए राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक योगेश मोहन, एमएलसी ए देवेगौड़ा, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक कुसुमा हरिप्रसाद और अन्य रेलवे अधिकारी यशवंतपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे। इस ट्रेन को प्रधानमंत्री मोदी ने 24 सितंबर को वीडियो लिंक के जरिए हरी झंडी दिखाई थी।

पांचवे विश्व कॉफी सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

बेंगलूरु। 25 से 28 सितम्बर तक बेंगलूरु पैलेस में चल रही पांचवें विश्व कॉफी सम्मेलन की मेजबानी भारत कर रहा है। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय कॉफी परिषद के अध्यक्ष मासिमिलियानो फैबियन, नेस्ले इंडिया लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुरेश नारायणन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सीईओ और एमडी सुनील डिसूजा, प्रबंध निदेशक, सीसीएल प्रोडक्ट्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चल्ला श्रीशांत, दक्षिण एशिया खाद्य एवं पेय, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के उपाध्यक्ष शिव कृष्णमूर्ति, एसएलएन कॉफी प्रा. लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन सथप्पन, अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन के कार्यकारी निदेशक डॉ. वनुसिया नोगीरा, कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया के सीईओ और सचिव डॉ. केजी जगदीश, निदेशक वित्त एनएन नरेन्द्र और यूनिडो, एफएओ, आईटीसी, अफ्रेक्सिमबैंक और आईएलओ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार
कयर बोर्ड
निदेशक (आर डी टी एण्ड ई) के पद पर भर्ती
कयर बोर्ड के अंतर्गत निदेशक (अनुसंधान विकास प्रशिक्षण एवं विस्तार) क एक पद, लेवन-12 (78800-209200) में भरने हेतु पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदनों को जमा करने की अंतिम तिथि 19.10.2023 है। अधिक जानकारी के लिए कृपया कयर बोर्ड की वेबसाइट देखें। (www.coirboard.gov.in)
20.09.2023 ह/- सचिव (अतिरिक्त प्रभार)
cbc 25131/12/0013/2324

मैं जो कहता हूं, वो करके दिखाता हूं इसलिए मेरी गारंटी में दम होता है : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति पाने का बिगुल फूंक दिया है। पिछले पांच साल जिस तरह की सरकार कांग्रेस ने चलाई है वे जीरो नंबर पाने की हकदार है। जयपुर के दादिया में विशान जनसभा में मोदी ने कहा कि गहलोत सरकार ने राजस्थान के लोगों और युवाओं के 5 महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद कर दिए इसलिए राजस्थान के लोगों ने ठान लिया है कि गहलोत सरकार को हटाएंगे और भाजपा को वापस लाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, संकेत साफ है कि राजस्थान का मौसम बदल चुका है। मैं राजस्थान के हर भाजपा कार्यकर्ता और जनता को इन सफल यात्राओं(परिवर्तन यात्रा) के लिए बधाई देता हूं...आज पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य की वाहवाही हो रही है। हमारा चंद्रयान वहां पहुंचा जहां कोई नहीं पहुंच पाया। जी 20 में भारत की सफलता से भारत के विरोधी देश भी हैरान हैं, परेशान हैं। भारत ने गणेश चतुर्थी के दिन अपने नए संसद भवन से काम-काज शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं जो कहता हूं, वो करके दिखाता हूं इसलिए मेरी गारंटी में दम होता है ...और ये मैं सिर्फ हवा में नहीं कह रहा हूं, बल्कि बीते 9 वर्षों में मेरा ट्रैक रिकॉर्ड यही रहा है... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब नीयत साफ होती है, जब खुद पर भरोसा होता है तब गारंटी पूरी करना सरकार की पहचान बन जाती है। हमने भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गारंटी दी थी और आज देश के भ्रष्टाचारियों पर कानून का जो डंडा चल रहा है, वो सब देख रहे हैं। मोदी ने कहा, जो कांग्रेसी आज महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, ये काम वो 30 साल पहले कर सकते थे। जब-जब मौका मिला तब कर सकते थे। लेकिन सच्चाई ये है कि कांग्रेसी कभी चाहते ही नहीं थे कि महिलाओं को 33% आरक्षण मिले। आज भी अगर ये नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आए हैं तो मन से नहीं आए हैं। ये महिलाओं के दवाब के परिणाम के कारण समर्थन में आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, राजस्थान के हर क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के विरुद्ध जन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यहां की कांग्रेस सरकार युवाओं को अवसर नहीं बल्कि धोखा दे सकती है। यहां जितनी बार पेपर लीक होते हैं, हर बार पूरे राज्य को शर्मिंदगी से भर देते हैं। यहां की कांग्रेस सरकार पेपर लीक माफिया को संरक्षण देती है। मैं आज राजस्थान के युवाओं को भरोसा देता हूं कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद पेपर लीक माफिया पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा,आज मैं जयपुर ऐसे समय में आया हूं, जब देश का गौरव नए आसमान पर है। आज पूरी दुनिया में भारत के सामर्थ्य की वाह-वाही हो रही है। हमारा चंद्रयान वहां पहुंचा, जहां दुनिया का कोई भी देश नहीं पहुंच पाया। जी20 में भारत की सफलता से भारत के विरोधी देश भी हैरान हैं, परेशान हैं। मोदी ने कहा,भारत ने गणेश चतुर्थी के दिन अपनी नई ससंद भवन से काम-काज शुरू किया है और नई ईमारत में सबसे पहला काम भाजपा सरकार ने हमारी माताओं बहनो, बेटियों को भी समर्पित किया है।

राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, राजस्थान के लोगों ने कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति पाने का बिगुल फूंक दिया है। पिछले पांच साल में कांग्रेस ने यहां जिस तरह की सरकार चलाई है वह जीरो नंबर पाने की हकदार है। गहलोत सरकार ने राजस्थान के लोगों, युवाओं के पांच महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद कर दिए। इसलिए राजस्थान के लोगों ने ठान लिया है कि वे गहलोत सरकार को हटाएंगे भाजपा को वापस लाएंगे। मोदी ने कहा, मैं साफ देख रहा हूं कि राजस्थान में अब परिवर्तन होकर रहेगा।

उन्होंने कहा,राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद पेपर लीक माफिया पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी माफिया को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा,कांग्रेस एवं उसके घमंडिया साथी महिला आरक्षण के घोर विरोधी हैं। जो कांग्रेसी आज महिला आरक्षण की बात कर रहे हैं, ये काम वे 30 साल पहले कर सकते थे। जब-जब मौका मिला तब वे कर सकते थे। लेकिन सच्चाई ये है कि कांग्रेसी कभी चाहते ही नहीं थे कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिले।

मोदी ने धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जयपुर जिले के धानक्या गांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी जयपुर हवाईअड्डा पहुंचे जहां से वह हेलीकॉप्टर से धानक्या गांव के लिए रवाना हुए। उन्होंने उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उपाध्याय ने जयपुर से लगभग 30 किलोमीटर दूर धानक्या गांव में अपने बचपन के दिन बिताए थे। इस जगह पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक बनाया गया है। मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की तथा स्मारक को देखा।

न्याय क्षेत्र को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने न्याय क्षेत्र को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए राज्य सरकार को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है वह न्याय क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए संसाधनों और सुविधाओं के विस्तार में प्रयासरत है वहीं देश में सबसे पहले राजस्थान में कई महत्वपूर्ण कानून लागू किए गए, जिनकी पूरे देश में चर्चा है। गहलोत सोमवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में महाधिवक्ता कार्यालय के नवीन भवन उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इनमें एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल, गिग वर्कर्स एक्ट, स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी जैसे ऐतिहासिक फैसले हैं जिनका विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अनुसरण तक किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2009 में नए हाईकोर्ट भवन के लिए 110 करोड़ रुपए मंजूर किए। इसके बाद भी प्राप्त सुझावों के अनुरूप आधारभूत विकास और बहुआयामी विस्तार के लिए स्वीकृतियां दी गई। आगे भी कोई कमी नहीं रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अब 50 जिलों का हो गया है। ऐसे में न्याय क्षेत्र में विस्तार की दृष्टि से सेवाओं और सुविधाओं में व्यापक बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 200 से अधिक नए न्यायालय खोले और क्रमोन्नत किए हैं। इससे परिवादियों के लम्बित प्रकरणों का निस्तारण सुगम हो रहा है।

गहलोत ने कहा कि लम्बित प्रकरणों के निस्तारण में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया जाए। लम्बित मामलों के कारणों पर भी गंभीर चिन्तन होना चाहिए। साथ ही, राजस्थान उच्च न्यायालय और राज्य सरकार को फास्ट कोर्ट बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि लिटिगेशन पॉलिसी लागू करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने हाईकोर्ट में हर माह अंतिम तारीख को होने वाली हड़ताल को खत्म करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान मिशन-2030 में अभी तक 2 करोड़ लोगों ने सपनों के राजस्थान के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए हैं। प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए न्यायाधीश और अधिवक्ता भी अपने सुझाव दें।

इन्हें विजन-2030 डॉक्यूमेंट में शामिल किया जाएगा। गहलोत ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायाधीश विजय बिश्नोई के साथ लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया। साथ ही, महाधिवक्ता चैम्बर तथा भवन में सुविधाओं का अवलोकन किया। यह भवन 22.55 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। इस दौरान भवन निर्माण में अहम भूमिका निभाने वालों को सम्मानित किया गया।

समारोह में राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने कहा कि अंतिम पंक्ति तक बैठे व्यक्ति को शीघ्र एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में सभी को प्रयास करने होंगे। वरिष्ठ न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने कहा कि सबसे बड़ा पक्षकार राज्य सरकार होती है, ऐसे में यह महाधिवक्ता कार्यालय अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगा। समारोह में राजस्थान के महाधिवक्ता महेन्द्र सिंह सिंघवी और अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर न्यायाधीश, पूर्व न्यायाधिपति, अभिभाषक, कार्मिक, बार एसोसिएशन सदस्य, अधिकारी मौजूद थे।

चक्रवाती बरसात से खरीफ फसलों में नुकसान के लिए गिरदावरी के निर्देश

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले में बी.टी. कपास में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप होने के कारण खरीफ फसलों में हुए नुकसान के लिए जिला प्रशासन ने गिरदावरी के निर्देश दिये गये है। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) डॉ.जी.आर.मटोरिया ने बताया कि गुलाबी सुण्डी.कृषि विभाग द्वारा कृषि कीट वैज्ञानिक एवं कृषि अधिकारियों की एक तकनीकी टीम गठित कर किसानों के खेतों में जाकर सर्वे करने एवं इस वर्ष गुलाबी सुण्डी के प्रकोप बढने के कारणों की समीक्षा करने के लिए आदेश जारी किए गए है।

उन्होंने बताया कि जिले में बी.टी. कपास 229094 हैक्टेयर, मूंग 87655 हैक्टेयर एवं ग्वार 219081 हैक्टेयर में बोई गयी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत-खरीफ फसलों की उपज को हुए नुकसान एवं वास्तविक उपज का आंकलन करने के लिए 5694 फसल कटाई प्रयोग राजस्व एवं कृषि विभाग के प्राथमिक कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पादित किये जाने हैं। इसके सम्बन्ध में सभी प्राथमिक कार्यकर्ताओं को बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि एवं किसान की उपस्थिति में ही फसल कटाई प्रयोग सम्पादित करने के सख्त निर्देश पूर्व में जारी किये जा चुके है। अब तक 3760 फसल कटाई प्रयोग प्रपत्र-1 ऑनलाईन किये जा चुके है। इसके साथ-2 फसल कटाई प्रयोग सम्पादित करने का कार्य भी जारी है।

राज्य सरकार के विकास कार्यों को अग्रिम पीढी करेगी स्मरण : विश्नोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। श्रम राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई ने सोमवार को सांचौर उपखंड स्थित धमाणा ग्राम में भूमि पूजन कर उप जिला चिकित्सालय का शिलान्यास किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रम राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के हितों के लिए कटिबद्ध है तथा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभांवित किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं यथा मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना, राजयोजना, जननी सुरक्षा योजना के माध्यम से आमजन को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ एम एल कटारिया ने बताया कि उप जिला चिकित्सालय को 41 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है जिसमें आमजन के लिए 150 बेड की सुविधा सहित विभिन्न चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध रहेगी।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधी गण सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी-कार्मिक एवं गणमान्य आमजन उपस्थित रहे। श्रम राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई ने सोमवार को सांचौर उपखंड के नगरीय क्षेत्र में आमजन के लिए विभिन्न विकास के कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने लगभग 200 पशुधन के बेहतर इलाज एवं रखरखाव के लिए एंबुलेंस मय गो चिकित्सालय एवं ट्रॉमा सेंटर, बोरला तालाब के सौंदर्यकरण कार्यों, शहर स्थित स्मृति वन में भगवान शिव की प्रतिमा एवं एलआईसी सर्किल स्थित पर्यावरण संरक्षण की प्रणेता अमृता देवी विश्नोई की प्रतिमा का अनावरण करते हुए विभिन्न विकास के कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति नरेश सेठ, नगर परिषद आयुक्त श्रवणराम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी कार्मिक व आमजन उपस्थित रहे।

नकारा-निकम्मी गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने तक न रुकेंगे, न थमेंगे, न थकेंगे, न झुकेंगे : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दादिया ग्राम पंचायत में सोमवार को आयोजित परिवर्तन संकल्प महासभा में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर जोरदार हमला बोला। शेखावत ने कहा कि यह अब सरकार नहीं, मात्र सर्कस जैसी रह गई है और यह सर्कस वाली पार्टी आज देश के सनातन धर्म पर प्रहार करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की किसान, महिला, गरीब, युवा, ओबीसी, दलित, जनजाति के विरोध में काम करने वाली और भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लें। जब तक हम इस नकारा और निकम्मी सरकार को उखाड़ कर नहीं फेंक दें, तब तक न रुकेंगे, न थमेंगे, न थकेंगे, न झुकेंगे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अपने उद्बोधन की शुरुआत भारत माता जय, वीर तेजाजी महाराज की जय

और रामसा पीर की जय से की। शेखावत ने कहा कि पिछले तीन-चार महीने से कांग्रेस सरकार को यह समझ आने लगा है कि अब सरकार जाने वाली है। सरकार को बदलने का जनता ने मानस बना लिया है। अब इस सरकार ने अपने आप को बचाने के लिए अनेक तरह के हथकंडे अपनाने शुरू किए हैं। अनेक तरह की थोथी घोषणाएं करना प्रारंभ की हैं। उन्होंने कहा कि पहले इन्होंने मुफ्त बिजली को लेकर घोषणाएं कीं, लेकिन किसान बिजली न मिलने के कारण अपनी फसल को जलते हुए देखकर खून के आंसू रोने के लिए मजबूर हुआ है। इन्होंने 100 यूनिट घरेलू बिजली फ्री देने का वादा किया, लेकिन जबसे यह वादा किया, तब से गांव-ढणियों से बिजली गायब हो गई। 10-10 घंटे की बिजली अघोषित कटौती चल रही है।

शेखावत ने कहा कि इन्होंने वादा किया कि हम 500 रुपए का सिलेंडर देंगे। मोदी जी ने 200 रुपए कम कर उस सिलेंडर की कीमत 900 रुपए से घटाकर 700 रुपए कर दी, लेकिन अभी तक गहलोत सरकार 500 रुपए का सिलेंडर नहीं दे पाई है। अन्नपूर्णा किट योजना का जिक्र करते हुए शेखावत ने कहा कि इन्होंने अन्नपूर्णा किट देने का वादा किया। 270 रुपए का किट 370 रुपए में खरीदा। इसमें 1000 करोड़ का घोटाला किया। फिर भी मिर्ची, धनिया, हल्दी और नमक मिलावटी दिया। सरकार के मुखिया का फोटो लगाकर आपके बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया। महज चंद चांदी के टुकड़े अपनी जेब में डालने, अपने घर भरने या अपने आकाओं को खुश करने और ऊपर गांधी परिवार का पेट भरने के लिए हमारे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का पाप किया।

महिला आरक्षण विधेयक को आगामी लोकसभा चुनाव में लागू किया जाए : लांबा

जयपुर/दक्षिण भारत। कांग्रेस नेता अलका लांबा ने सोमवार को मांग की कि संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा के 2024 में होने वाले आम चुनाव में लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं का एक प्रतिनिधिमंडल 2017 में महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिला था, लेकिन पांच साल बाद भी कुछ खास नहीं हुआ क्योंकि केंद्र ने शर्तें रखीं।

लांबा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, हमारी मांग है कि हाल में जो महिला आरक्षण विधेयक संसद से पास हुआ है, उसे 2024 के लोकसभा चुनाव में लागू किया जाए। भाजपा सरकार ने जो भी बाधाएं डाली हैं कि पहले जनगणना होगी, फिर परिसीमन होगा और फिर आरक्षण दिया जाएगा, हम ये चाहते हैं शर्तें हटाई जाएं और कानून तुरंत लागू किया जाये।' उन्होंने कहा कि राजस्थान ने राजग को 25 सांसद दिए, लेकिन किसी भी सांसद ने महिला आरक्षण विधेयक लाने की मांग नहीं की। लांबा ने आरोप लगाया , केंद्र की भाजपा सरकार ओबीसी विरोधी है। जनसंख्या के आधार पर आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन केंद्र ओबीसी, दलित और आदिवासियों को उनके अधिकारों से वंचित रखना चाहता है। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि जनगणना हो लेकिन जनगणना को महिला आरक्षण से जोड़ना अन्याय है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण विधेयक का श्रेय लेना चाहती है, जो पूरी तरह से 'जुमला' है। लांबा ने आरोप लगाया, इसे 2024 लोकसभा में लागू करने से कौन रोक रहा है? यह आरएसएस है जो रोक रहा है, इसकी विचारधारा और सोच इसे रोक रही है।

बजट घोषणाओं को समय सीमा में पूर्ण करें : रावत

जयपुर/दक्षिण भारत। देवस्थान मंत्री श्रीमती शकुन्तला रावत ने वृन्दावन-बरसाना की दो दिवसीय यात्रा के तहत सोमवार को राधा माधव मंदिर वृन्दावन में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली व सुख समृद्धि की कामना की। श्रीमती रावत ने राधा माधव मंदिर में देवस्थान विभाग के कार्यालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु बैठक भी की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विभाग के अधीन आने वाले मंदिरों हेतु बजट घोषणा कार्यों को समय सीमा में पूरा करें। मंदिरों में श्रद्धालुओं एवं उनके दर्शनार्थ हेतु उपयोगी एवं जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित भी किया जाए। श्रीमती रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्राचीन मंदिरों के विकास कार्यों हेतु हरसंभव मदद उपलब्ध कराई गई है। बजट घोषणा के तहत राधा माधव मंदिर वृन्दावन में 6 करोड़ 49 लाख एवं कुशल बिहारी मंदिर बरसाना में 2 करोड़ 69 लाख रुपये के विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि बजट घोषणा के तहत मंदिर परिसर जीर्णोद्धार, धर्मशाला संरक्षण, प्राचीन चित्रकला शैली का संरक्षण, मंदिर परिसर में बोर्ड, साइनेज, नवीन शौचालय, बिजली व्यवस्था एवं नवीन कैंटीन जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विभाग के अधीन आने वाले मंदिरों में साज सज्जा एवं पोशाक व अन्य महत्वपूर्ण कार्यों हेतु 593 लाख रुपये की स्वीकृति दी जिससे यह कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में कॉरिडोर निर्माण करवाया जा रहा है जिससे मंदिर मार्ग का सौन्दर्यीकरण एवं श्रद्धालुओं हेतु जन सुविधाओं का विस्तार होगा। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत हजारों वरिष्ठ नागरिकों का रेल व हवाई यात्रा से तीर्थ स्थलों के दर्शन का सपना पूरा हो रहा है।

अजमेर में रोजगार मेले का आयोजन आज

अजमेर।राजस्थान के अजमेर में 9वां ..रोजगार मेला.. मंगलवार को आयोजित होगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल सम्बोधन करेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार 26 सितंबर को देश के 46 शहरों में 51000 युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपने का काम होगा। प्रधानमंत्री मोदी का देश के नौजवानों को नौकरी देने का यह अभिनव कार्यक्रम है। अजमेर के महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के स्वराज सभागार में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। कार्यक्रम में अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, विधायक वासूदेव देवनानी एवं अनीता भदेल के अलावा कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला तथा पोस्टर मास्टर जनरल भी उपस्थित रहेंगे। अजमेर प्रवर अधीक्षक गोविंद वैष्णव ने बताया कि अजमेर में दिये जा रहे।

मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार पूरा कर रही पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) की डबल इंजन सरकार पंडित जी (दीनदयाल उपाध्याय) के सपनों को पूरा कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 107 वीं पुण्यतिथि पर यहां चारबाग स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आदर्शों को याद करते हुए कहा , 'समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण एवं विकास उनका सपना था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) की डबल इंजन सरकार पंडित जी (दीनदयाल उपाध्याय) के उसी सपने को पूरा कर रही है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि एकात्म मानववाद की दृष्टि को भारत की राजनीति के एजेंडे का हिस्सा बनाने वाले एवं राजनीति में शुचिता एवं ईमानदारी के प्रबल समर्थक दीनदयाल उपाध्याय की आज

पावन जयंती है।

योगी ने कहा , 'हम सब जानते हैं कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म मथुरा जनपद के एक छोटे से गांव में हुआ। भारत और भारतीयता के प्रति उनका दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट था। उनका कहना था कि भारतीय दृष्टिकोण विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के बारे में उनकी धारणाएं बहुत ही स्पष्ट थीं। उन्होंने कहा था कि आर्थिक उन्नति और प्रगति का पैमाना ऊंचे पायदान पर बैठे व्यक्ति से नहीं बल्कि सबसे निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति से किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि अन्त्योदय की उनकी अवधारणा स्वतंत्र भारत में गरीब कल्याण का माध्यम बना।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1998 से 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में वाली सरकार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को प्रेरणा मानते हुए गरीब कल्याण की अनेक योजनाएं शुरू की तथा आज भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में चलने वाली सभी योजनाओं के पीछे प्रेरणा पंडित जी के अन्त्योदय का संकल्प ही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, '' पिछले साढ़े नौ साल में देश के जिस सर्वांगीण विकास को हम सब देख रहे हैं, यह चमत्कार पंडित जी की ही प्रेरणा है।'' इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह समेत कई प्रमुख लोगों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

'यूआईडीएआई व राज्य सरकार सत्यापन कर विस्थापितों को आधार कार्ड मुहैया कराएं'

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और मणिपुर सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि राज्य में खूनी जातीय संघर्ष में विस्थापित हुए उन लोगों को 'आधार' कार्ड मुहैया कराया जाए, जिनके रिकार्ड यूआईडीएआई के पास उपलब्ध हैं। न्यायालय ने कहा कि आधार कार्ड शीघ्रता से जारी करने से पहले सत्यापन किया जाए। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि यूआईडीएआई विस्थापित लोगों के आधार कार्ड खोने के दावों का सत्यापन करेगा। पीठ ने कहा कि जिन लोगों को पहले आधार कार्ड जारी किया जा चुका है उनका बायोमेट्रिक विवरण प्राधिकरण के पास होगा। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं।

न्यायालय ने दस्तावेज खो चुके लोगों के बैंक खातों के विवरण उपलब्ध कराने के लिए मणिपुर के वित्त विभाग को राज्य के प्रभावित हिस्सों में सभी बैंकों को इस बारे में उपयुक्त निर्देश जारी करने को कहा। पीठ ने कहा कि मणिपुर के स्वास्थ्य विभाग के सचिव राहत शिविरों में दिव्यांगता प्रमाणपत्र/ दिव्यांग्ता प्रमाणपत्रों की नकल (प्रति) विशेष जरूरतों वाले लोगों को जारी करने के लिए शीघ्रता से कदम उठाएं। पीठ ने शीर्ष न्यायालय द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा दाखिल रिपोर्ट पर विचार करते हुए ये निर्देश जारी किए।

हरित हाइड्रोजन से चलने वाली देश की पहली बस का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को हरित हाइड्रोजन से चलने वाली देश की पहली बस का अनावरण किया। खास बात यह है कि यह बस सिर्फ पानी का उत्सर्जन करती है। आईओसी नवीकरणीय स्रोतों से बिजली का इस्तेमाल कर पानी के कणों को अलग कर 75 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी। यह हाइड्रोजन प्रायोगिक तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाली दो बसों में इस्तेमाल किया जाएगा।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इन हाइड्रोजन-चालित बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत रोकने में एक बदलावकारी ईंधन की भूमिका निभाएगा। इंडियन ऑयल का फरीदाबाद स्थित शोध एवं विकास केंद्र फिलहाल प्रायोगिक तौर पर हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है। हरित हाइड्रोजन के 30 किलोग्राम क्षमता वाले चार सिलेंडर से लैस बस 350 किलोमीटर दूरी तक दौड़ सकती है। इन सिलेंडर को भरने में 10-12 मिनट का समय लगता है।

ईंधन के तौर पर हाइड्रोजन के इस्तेमाल में खासियत यह है कि इससे सिर्फ पानी का भाप ही उत्सर्जित होता है। हानिकारक उत्सर्जक तत्वों के नदारद होने और ऊर्जा सघनता तिगुनी होने से हाइड्रोजन एक स्वच्छ एवं अधिक कारगर विकल्प के तौर पर उभर रहा है। पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के अंत तक इंडियन ऑयल हाइड्रोजन से चलने वाली बसों की संख्या को बढ़ाकर 15 तक ले जाएगी। इन बसों को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में चिह्नित मार्गों पर संचालित किया जाएगा।

पुरी ने कहा, ''हमारी सरकार की स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को लेकर महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। भारत ने हाइड्रोजन एवं जैव-ईंधन जैसे नए ईंधनों के जरिये निम्न कार्बन विकल्पों की दिशा में कई कदम उठाए हैं। अगले दो दशक में वैश्विक स्तर पर पैदा होने वाली नई ऊर्जा मांग में इन विकल्पों की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत तक होगी।'' उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियां वर्ष 2030 तक सालाना 10 लाख टन का उत्पादन करने लगेंगी। घरेलू स्तर पर हाइड्रोजन की खपत चार गुना होकर 25-28 टन हो जाने का अनुमान है।

असम में विदेश से लाए गए पांच जानवर जब्त, पांच लोग गिरफ्तार

सिलचर/भाषा। असम के कछार जिले में पुलिस ने विदेश से लाए गए पांच जानवरों को जब्त करते हुए इस मामले से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस को म्यांमार से जानवरों को तस्करी करके लाए जाने का संदेह है। कछार पुलिस अधीक्षक नुमुल महत्ता ने बताया कि खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक अभियान चलाया गया। इसमें असम-मिजोरम सीमा से सटे लैलापुर गेट पर मिजोरम की ओर से आ रहे एक वाहन से जानवरों को बरामद किया गया। उन्होंने कहा,'हमें संदेह है कि म्यांमार से जानवरों की तस्करी की जा रही है और इन्हें भारत के अन्य राज्यों में ले जाया जा रहा है।'

पिंजरे में बंद जानवरों को बचाव के बाद वन अधिकारियों को सौंप दिया गया। इन जानवरों को गुवाहाटी स्थित 'असम राज्य प्राणी उद्यान' में भेजा जा रहा है। कछार के संभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) विजय पाल्वे ने कहा,' जब्त की गई वन्यजीव प्रजातियों में दो पनामनियन सफेद चेहरे वाले कैपुचिन और दो सामान्य ओपोस्सम है, ये दोनों ही प्रजातियां बंदर की दुर्लभ प्रजातियां हैं। चार गोरिला भी जब्त किय गये।' उन्होंने कहा,' इन सभी जानवार का मूल स्थान एशियाई महाद्वीप नहीं है।' पाल्वे ने कहा,' ये जानवर हमारे इलाके के मौसम के अनुकूल नहीं हैं, इसलिए इन्हें प्राणी उद्यान भेज रहे हैं ताकि ये नियंत्रित वातावरण में जीवित रहें।'

राजग में वापसी की अटकलों पर नीतीश ने बकवास बताया, भाजपा ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को आरएसएस विचारक दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में शामिल हुए, लेकिन उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में अपनी वापसी की अटकलों को खारिज कर दिया। कुमार उक्त समारोह में नीतीश हिस्सा लेने आए थे, जिसे उनकी सरकार भाजपा के साथ सत्ता साझा करने के समय से आयोजित कर रही है।

नीतीश के साथ अन्य लोगों के अलावा, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी थे। तेजस्वी ने भाजपा के पूर्व अवतार भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक, उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जब तेजस्वी से कुछ पत्रकारों ने कहा कि उन्होंने तो एक बार विधानसभा में कहा था कि वह सत्ता में आने पर आरएसएस नेताओं की स्मृति

में आयोजित कार्यक्रमों को बंद कर देंगे, तब उन्होंने कहा, मैंने ऐसा कभी नहीं कहा। जब मुख्यमंत्री से पत्रकारों ने राजग की तरफ उनके झुकाव की अटकलों के बारे में पूछा तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की और कहा कि वे लोग इस तरह की फालतू बातें क्यों करते हैं।

जदयू नेता महेश्वर हजारी द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री पद के लायक बताये जाने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे किसी पद की लालसा नहीं है। मैं सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट करने में लगा हुआ हूं। 'इंडिया' गठबंधन की अगली बैठक कब होगी और आगे की रणनीति क्या होगी, इस सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समितियां बन गई हैं,बैठकें हो रही हैं। मीडिया के एक वर्ग में अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश इंडिया गठबंधन द्वारा उन्हें संयोजक के रूप में नामित नहीं किए जाने से नाखुश हैं। हाल में आयोजित जी20 कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी शिष्टाचार मुलाकात के बाद अटकलों का बाजार और भी गर्म हो गया था। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जंयती के अवसर पर आयोजित इस राजकीय समारोह में भाजपा नेताओं के उनके साथ शामिल नहीं होने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो पहले साथ थे लेकिन आज इस कार्यक्रम में नहीं आए तो वे जानें। उन्होंने कहा , '' दिवंगत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती को लेकर जो चीज पहले से सरकार की ओर से तय की हुयी है, उसमें सबलोग आते हैं। हम तो सबकी इज्जत करते हैं, सबका सम्मान करते हैं। हम सबलोगों के लिए काम कर रहे हैं। आगे भी हमलोग विकास का काम यूं ही करते रहेंगे।''

हमारे रिमोट कंट्रोल दबाने से गरीबों को फायदा होता है, भाजपा के ऐसा करने पर अडानी को बंदरगाह, हवाई अड्डे मिल जाते हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान सभा में रिमोट कंट्रोल दिखाते हुए कहा कि जब भी उनकी पार्टी इसे दबाती है तब गरीबों और जरूरतमंद लोगों को फायदा होता है, लेकिन जब भाजपा ऐसा करती है तब अडानी को बंदरगाह, रेलवे का ठेका और हवाई अड्डे मिल जाते हैं। राज्य के बिलासपुर जिले के

परसदा गांव में 'आवास न्याय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जातीय जनगणना से क्यों डरते हैं? सम्मेलन में गांधी ने भूपेश बघेल सरकार की ग्रामीण आवास न्याय योजना की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेघरों और कच्चे घरों वाले परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए गांधी ने अपने हाथ में एक रिमोट कंट्रोल दिखाया और कहा, '' आज मैंने रिमोट का बटन दबाया और हजारों करोड़ रुपये छत्तीसगढ़ के लोगों के खाते में चले गए।'' उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई आवास योजना का लाभ उन लाभार्थियों को भी मिलेगा जो केंद्रीय योजना (प्रधानमंत्री आवास योजना) के तहत सहायता पाने के हकदार थे लेकिन उन्हें नहीं मिला।

कोलकाता में मरीजों को ठगने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में मरीजों को कथित रूप से ठगने के आरोप में चार लोगों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, कोलकाता पुलिस के 'एंटी-राउडी सेक्शन' (एआरएस) ने ये गिरफ्तारियां कीं। एआरएस ने शहर के सरकारी अस्पतालों में दलालों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए एआरएस कर्मियों ने अस्पताल पर छापा मारा और कई दलालों को पकड़ा। उन्होंने कहा, ''ये दलाल कुछ समय से एसएसकेएम अस्पताल में सक्रिय थे। उन्होंने भर्ती कराने के बहाने कई मरीजों और उनके परिवारों को ठगा है। हमें इन दलालों के बारे में कई शिकायतें मिली थीं।'' उन्होंने बताया कि चारों आरोपी नजदीक के भवानीपुर इलाके के रहने वाले हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं आपराधिक साजिश रचने समेत भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। तृणमूल कांग्रस के विधायक मदन मित्रा ने आरोप लगाया कि राज्य में एक बड़ा गिरोह फल-फूल रहा है और उन्होंने कार्रवाई के लिए पुलिस को धन्यवाद दिया।

'इंडिया : द मोदी क्वेश्चन' को लेकर बीबीसी को ताजा नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 'इंडिया : द मोदी क्वेश्चन' को लेकर गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'जस्टिस ऑन ट्रायल' की याचिका पर सोमवार को ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) को नया नोटिस जारी किया। 'जस्टिस ऑन ट्रायल' ने अपनी याचिका में दावा किया है कि बीबीसी का वृत्तचित्र 'इंडिया : द मोदी क्वेश्चन' देश की प्रतिष्ठा पर कलंक लगाता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा भारतीय न्यायपालिका के खिलाफ झूठे और अपमानजनक आरोप लगाता है। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने गुजरात स्थित एनजीओ 'जस्टिस ऑन ट्रायल' की ओर से दायर याचिका पर बीबीसी (ब्रिटेन) के अलावा बीबीसी (भारत) को भी नया नोटिस जारी किया।

झारखंड के आदिवासियों ने पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया करम त्योहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के आदिवासी समुदाय के लोगों ने सोमवार को पारंपरिक उत्साह के साथ करम पर्व मनाया, जिसे करमा त्योहार भी कहा जाता है। सरहुल के बाद सबसे बड़े त्योहारों में से एक, करम के इस अवसर पर आदिवासी करम पेड़ की पूजा करते हैं और प्रकृति मां से प्रार्थना करते हैं कि खरीफ सीजन के बाद समृद्ध फसल सुनिश्चित हो। इसके अलावा बहनें इस अवसर पर अपने भाइयों की सलामती के लिए प्रार्थना करती हैं।

झारखंड के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग द्वारा आयोजित करम महोत्सव में भाग लिया। राज्यपाल ने कहा, '' करम, जिसे करमा उत्सव के नाम से भी जाना जाता है, देश की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है। '' राधाकृष्णन ने कहा कि यह त्योहार प्रकृति और मानव के बीच गहरे और अटूट रिश्ते को दर्शाता है। उन्होंने कहा, '' हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रकृति के सच्चे संरक्षक हैं। वे प्रकृति का आदर और सम्मान करते हैं तथा दुनिया को उसकी सुरक्षा का संदेश देते हैं। '' उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण विभिन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और ऐसे में करमा पूजा पूरे विश्व के लिए एक बेहतर उदाहरण है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी करम पर्व पर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

पटना में दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटने और उस पर पेशाब करने का मामला आया सामने

पटना/भाषा। पटना जिले में खुसरूपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक साहूकार और उसके सहयोगियों द्वारा एक दलित महिला को निर्वस्त्र कर पीटने और उसके मुंह पर पेशाब करने का वीभत्स मामला सामने आया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि महिला ने ऋण का पूरा भुगतान करने के बाद भी और धन दिए जाने की साहूकार की ''अनुचित'' मांग को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद यह घटना हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रमोद सिंह और उसका बेटा अंशु सिंह फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है। अस्पताल में भर्ती पीड़िता ने दावा किया कि उधार ली गई रकम ब्याज समेत चुकाने के बावजूद उसे यह प्रताड़ना सहनी पड़ी। पीड़िता ने कहा, ''मेरे पति ने कुछ महीने पहले प्रमोद सिंह से 1,500 रुपये उधार लिए थे और हमने ब्याज सहित पैसे वापस कर दिए थे, लेकिन उसने (प्रमोद सिंह ने) और पैसों की मांग की। हमने इस मांग को मांगने से इनकार कर दिया।'' यह घटना शनिवार की रात पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई।

बुलडोजर चलाना है तो मेरे घर पर चलाओ, मैं डरने वाला नहीं हूं: राय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/ भाषा। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि 'बुलडोजर चलाना है तो मेरे घर पर चलाओ, मैं डरने वाला नहीं हूं।'

रविवार देर रात यहां पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि मोदी-योगी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) की सरकारें दमनकारी हैं, प्रदेश में जंगलराज कायम है। उन्होंने कहा कि 'जिस ईडी-सीबीआई एवं बुलडोजर से (विपक्षी दल के नेताओं को) डराया जाता है, मैं उस बुलडोजर का मुंह मोड़ दूंगा। लाठी- गोली चलेगी तो छाती खोलकर खड़ा हो जाऊंगा, लेकिन पीठ नहीं दिखाऊंगा।' कांग्रेस नेता ने कहा, ' मैं सरकार को चुनौती देता हूँ कि बुलडोजर चलाना है तो मेरे घर पर चलाओ, मैं डरने वाला नहीं हूं। कार्यकर्ता मुझे जितनी ताकत देगें, उसका दस गुना ताकत उन्हे दूंगा।' अलखनाथ मंदिर पर पूजा के बाद दरगाह आला हजरत पर भी उन्होंने हाजिरी दी।

राजनाथ ने हिंडन एयरबेस में 'भारत ड्रोन शक्ति' कार्यक्रम का उद्घाटन किया

गाजियाबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां हिंडन एयरबेस पर आयोजित एक ड्रोन प्रदर्शनी कार्यक्रम का उद्घाटन किया। 'भारत ड्रोन शक्ति 2023' प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन भारतीय वायु सेना और 'ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया' (डीएफआई) संयुक्त रूप से कर रहे हैं। सिंह ने ड्रोन प्रदर्शनी कार्यक्रम का उद्घाटन किया और ड्रोन के कुछ हवाई प्रदर्शन भी देखे। बाद में, उन्होंने प्रदर्शनी क्षेत्र और कुछ स्टॉल का भी दौरा किया। डीएफआई के एक अधिकारी ने बताया कि 75 ड्रोन का स्थैतिक प्रदर्शन किया जा रहा है और 50 से अधिक ड्रोन का हवाई प्रदर्शन किया जाएगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। युवा तेज गेंदबाज टिटास साधू के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने सोमवार को श्रीलंका को 19 रन से हराकर एशियाई खेलों की महिला क्रिकेट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता ।

बल्लेबाजी के लिये कठिन पिच पर भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 116 रन बनाये । जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 97 रन ही बना सकी । चार दिन बाद

अपना 19वां जन्मदिन मनाने जा रही साधू ने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिये । लेग स्पिनर देविका वैद्य ने चार ओवर में 15 रन देकर एक विकेट चटकाया। स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ और आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने खराब शुरूआत की लेकिन बाद में लय पकड़ ली । भारत शुरू से ही स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन क्रिकेट का स्तर और पिच दोनों खराब रहे । साधू ने पहले दो ओवर में ही तीन विकेट निकाल दिये जिनमें श्रीलंकाई कप्तान चामारी अटापट्टू का विकेट शामिल है।

भारतीय महिला टीम को झूलन गोस्वामी के संन्यास के बाद एक तेज गेंदबाज की कमी खल रही है । साधू ने प्रतिभा की बानगी पेश की लेकिन कठिन प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उसकी असल परीक्षा होगी । हरमनप्रीत कौर ने दीप्ति से गेंदबाजी की शुरूआत कराई लेकिन अटापट्टू ने उसे आते ही छक्का और चौका जड़ा । दूसरे ओवर में साधू ने अनुष्का संजीवनी (1) को मिडआफ पर हरमनप्रीत के हाथों लपकवाया । उसने इसके बाद विष्मी गुणरत्ने (0) को आउट किया और अगले ओवर में अटापट्टू को रवाना किया । तीन विकेट 14 रन पर गंवाने के बाद हसिनी परेरा (25 रन) ने श्रीलंका को 50 रन के पार पहुंचाया । राजेश्वरी ने उनका विकेट लिया । निलाक्षी डिसिल्वा (23 रन) और ओषाडी रणसिंघे (19) ने पांचवें विकेट के लिये 38 रन जोड़े । पूजा वस्त्राकर ने डिसिल्वा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा जबकि दीप्ति ने रणसिंघे का विकेट लिया । इससे पहले भारत के लिये स्मृति मंधाना (45 गेंद में 46 रन) और जेमिमा रौड्रिग्ज (40 गेंद में 42 रन) ने दूसरे विकेट के लिये 73 रन जोड़े ।

शांतचित रहकर रणनीति पर अमल करना जीत की कुंजी : साधु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगझोउ/भाषा। एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाली युवा तेज गेंदबाज टिटास साधु ने सोमवार को यहां कहा कि श्रीलंका के खिलाफ कम स्कोर वाले फाइनल में शांतचित रहकर अपनी रणनीति पर अमल करने से उनकी टीम को जीत मिली।

भारतीय महिला टीम ने फाइनल में श्रीलंका को 19 रन से हराकर इन खेलों में देश के लिए दूसरा स्वर्ण पदक जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 116 रन बनाए लेकिन उसने श्रीलंका की टीम को आठ विकेट पर 97 रन ही बनाने दिए।

अपने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट

लेने वाली साधु ने कहा,''हमें क्या करना है इसको लेकर हमारी रणनीति स्पष्ट थी। निश्चित तौर पर हमें पहले ओवर में ही अच्छी लय मिल गई थी। पहली पारी समाप्त होने के बाद हमने शांतचित रहकर अपनी रणनीति पर अमल करने का फैसला किया था।'' उन्होंने कहा,''हमने मैच में जिस तरह से वापसी की उससे हमारे इस फैसले का पता चलता है।''

सुविचार

जिस-जिस पर इस दुनिया ने हँसा है, उस-उस ने इतिहास रचा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

झूठ का पुलिंदा

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल हक काकड़ का संयुक्त राष्ट्र महासभा में संबोधन झूठ का ऐसा पुलिंदा है, जिसे उनका देश बार-बार इस मंच पर प्रस्तुत करता रहा है। काकड़ ने जिस तरह भारत पर झूठे आरोप लगाए, उसके लिए आला दर्जे की मक्कारी की जरूरत होती है, जो इस पड़ोसी देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री में कूट-कूटकर भरी हुई मालूम होती है। हो भी क्यों नहीं, इसका प्रशिक्षण 'रावलपिंडी' से जो मिला है! काकड़ जानते हैं कि उनकी कुर्सी कुछ ही समय के लिए है, इसलिए वे उसका भरपूर लुत्फ उठाते हुए सैर-सपाटे पर निकले हैं, अपनी तस्वीरें खिंचवा रहे हैं। लगे हाथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में फौज की स्क्रिप्ट भी बांच आए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव पेटल गहलोत ने काकड़ को खूब आईना दिखाया। उन्होंने शानदार तरीके से भारत का पक्ष रखा। हर मंच पर कश्मीर राग अलापने वाले पाकिस्तान को गहलोत ने उचित कहा कि 'दुनिया में सर्वाधिक संख्या में प्रतिबंधित आतंकवादी संस्थाओं को 'पनाह और संरक्षण' मुहैया कराने वाले देश को 'तकनीकी कुतर्क' करने के बजाय 26/11 मुंबई हमले के अपराधियों के खिलाफ विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए।' आश्चर्य की बात है कि जिस देश में कुख्यात आतंकवादी निर्भय होकर विचरण कर रहे हों, आए दिन बम धमाकों में दर्जनों लोग मर रहे हों, आर्थिक बदहाली के कारण हाहाकार मचा हो, अल्पसंख्यकों पर जुल्म के पहाड़ तोड़े जा रहे हों, वह भारत को उपदेश दे रहा है! दुनिया जानती है कि आतंकवाद की अंतरराष्ट्रीय राजधानी कहां है, ओसामा बिन लादेन कहां पाया गया, जम्मू-कश्मीर की शांति के शत्रुओं को कौन प्रशिक्षण देता है! इस पर भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा जाकर बड़ी-बड़ी बातें कर आते हैं। इन्हें कुछ दशक पहले तक थोड़ा गंभीरता से लिया जाता था, लेकिन अब ऐसे भाषण पाकिस्तान की जगहंसाई ही कराते हैं।

पाकिस्तान बार-बार जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाता है, लेकिन उसने जिस इलाके (पीओके) पर अवैध कब्जा कर रखा है, उसके हालात नहीं बताता। अब तो वहां पाकिस्तान से जान छुड़ाने के लिए आवाजें उठने लगी हैं। काकड़ पहले उन लोगों से तो बात कर लें। खुद 'कश्मीर-कश्मीर' रटते जा रहे हैं, उधर पूरा पीओके आक्रोश की आग में धधक रहा है। पाकिस्तान की हालत उस आदतन अपराधी जैसी हो गई है, जिसे खुद के घर की फिक्र नहीं, लेकिन वह हर वक्त पड़ोसियों से झगड़ा करने के बहाने ढूंढ़ता रहता है। प्राय: पाक, भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर टिप्पणी कर अपनी छवि चमकाने की कोशिश करता है। वहीं, उसके यहां हिंदू और सिक्ख बालिकाओं के अपहरण, जबरन धर्मांतरण और निकाह की घटनाएं होती रहती हैं। इस पर काकड़ अपने पूर्ववर्तियों की तरह चुप्पी साधे बैठे हैं। पाकिस्तान में अहमदी समुदाय के लोगों के साथ जिस तरह अपमान और क्रूरता का व्यवहार किया जाता है, उस पर कोई नेता नहीं बोलता। हर महीने ऐसे कई वीडियो सामने आते हैं, जिनमें उन्मादी भीड़ अहमदी समुदाय के धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाती साफ नजर आती है। इसके बावजूद वहां की अदालतें, सरकार, फौज, मीडिया ... सब खामोश हैं। क्या इन्होंने यह मान लिया है कि अब ये सामान्य घटनाएं हैं, इसलिए अपराधियों पर कार्रवाई करने की कोई जरूरत नहीं है? काकड़ के संबोधन का सर्वाधिक हास्यास्पद हिस्सा यह है कि 'पाकिस्तान, भारत सहित अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ शांतिपूर्ण और उपयोगी संबंध चाहता है।' आखिर कैसे? क्या काकड़ आतंकवादी भेजकर शांतिपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं? हाल में अनंतनाग में आपके 'शांतिपूर्ण' प्रयास सबने देख लिए। भारतीय सेना ने सूझबूझ और साहस से आपके आतंकवादियों का खात्मा कर दिया, वरना वे बड़ी वारदात को अंजाम देते। अगर काकड़ अपने मुल्क की इन्हीं हरकतों को 'शांति' का संदेश कहते हैं तो यह उन्हें ही मुबारक हो! वे रावलपिंडी, इस्लामाबाद, लाहौर, कराची, पेशावर, एब्टाबाद आदि में ऐसी शांति फैलाएं। अगर भारत की ओर रुख करेंगे तो सख्त जवाब मिलेगा। चाहे सरहद हो या संयुक्त राष्ट्र महासभा।

ट्वीटर टॉक

कल बेटियों का दिवस था और आज ये खबर आती है। इतने आंकड़ों, इतनी बदनामी और सवालों से बचने के लिए सरकार की इतनी सफाई के बावजूद दुष्कर्मी बेखौफ है। उन्हें परवाह नहीं!गहलोत सरकार के कान में जूं नहीं रेंग रही है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भोपाल में हुए 'कार्यकर्ता महाकुंभ' में लोगों का जो स्नेह और आशीर्वाद मिला, वह बहुत उत्साहित करने वाला है। उनकी ऊर्जा और उमंग देखकर यह विश्वास होता है कि मध्य प्रदेश ने भाजपा की प्रचंड विजय का मन बना लिया है।

-नरेन्द्र मोदी

संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी स्थित लोक सभा कैंप कार्यालय में आमजन से भेंट की। उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण के प्रयास किए। इन लोगों का मेरे प्रति विश्वास ही वह निधि है जो मुझे उनकी सेवा में सतत समर्पित बने रहने की ऊर्जा प्रदान करता है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

मनुष्य की परख

सुमेरु पर्वत पर स्वामी सदानन्द जी का आश्रम था। दूर-दूर से श्रद्धालु उनके दर्शन कर, अपनी समस्याओं का समाधान पाते थे। एक दिन एक स्वर्णकार उनके पास आया और प्रणाम कर ज्ञान चर्चा में लीन हो गया। पहला प्रश्न ईश्वर को लेकर हुआ कि ईश्वर अगर है तो दिखता क्यों नहीं है। स्वामी जी ने उससे सवाल किया, क्या फूलों की सुगंध नज़र आती है, तिलों में तेल दिखता है या दूध में मक्खन दिखाई देता है। उसी प्रकार ईश्वर सर्वव्यापी होते हुए भी दिखता नहीं, अनुभव किया जाता है। श्रद्धालु ने फिर पूछा, स्वामी जी, मनुष्य की परीक्षा कैसे होती है। स्वामी जी समझाते हुए बोले, जिस तरह तुम स्वर्ण के खरेपन को जांचने के लिए उसे कूटते हो, घिसते हो, काटते हो और तपाते हो, उसी प्रकार ईश्वर भी मनुष्य की परीक्षा उसके द्वारा किए गए दान से, व्यवहार में लाए गए शील से, अपनाए गए आचरण से और निभाए गए धर्म से लेता है।

सामयिक

पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9034304041.

पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से गहरा संबंध है। हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है।

पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य: हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया जा रहा है जबकि 2022 की थीम थी सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को 'मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है।

बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। वर्ष 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सो के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है।

बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

विशेष

सुखमय जीवन के लिए पर्यावरण स्वास्थ्य जरूरी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

आज विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ द्वारा विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस 26 सितंबर 2011 से शुरू किया गया था। यह दिन इसलिए मनाना शुरू किया गया था ताकि लोगों में एनवायरनमेंटल हेल्थ और इससे जुड़ी समस्याओं को लेकर जागरूक किया जा सके। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस एक प्रकार का विज्ञान है, जो व्यक्ति को बीमारी, चोट लगने या किसी प्रकार की कुदरती या स्वास्थ्य की परेशानियों से दूर रख सकता है। इन्हीं चीजों का ध्यान रखने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। विश्व पर्यावरणीय स्वास्थ्य दिवस 2023 की थीम वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्य : हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना रखी गई है। पर्यावरण स्वास्थ्य का तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र की भौतिक, रासायनिक, जैविक और सांस्कृतिक स्थिति से है। खराब वायु गुणवत्ता, पारिस्थितिक विविधता का नुकसान, रासायनिक असंतुलन आदि जैसे पहलू किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। पर्यावरण हर दिन के हर पल में हमारे स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने में हमारी मदद कर रहा है। इसलिए, हमें अपने पर्यावरण को स्वच्छ और स्वस्थ रखना होगा।

पर्यावरण को लेकर आज समूचा विश्व चिन्तित है। आखिर यह पर्यावरण है क्या और इससे चिन्तित होने के कारण क्या हैं? पर्यावरण वायु, जल, मृदा, मानव और वृक्षों को लेकर बना है। इनमें से किसी भी एक तत्व का क्षरण होता है तो उसका सीधा असर पर्यावरण पर पड़ता है। प्रदूषण भी पर्यावरण के लिए खतरे की घंटी बना हुआ है। पेड़, पौधे,

जलवायु मानव जीवन को प्रभावित करते हैं। किसी भी एक तल के असंतुलित होने पर पर्यावरण प्रक्रिया असहज हो जाती है जिसका सीधा असर मानव जीवन पर पड़ता है। विश्व ने जैसे-जैसे विकास और प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण असंतुलित होता गया है। बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियां, कल-कारखाने, उससे निकलते धुंए, वाहनों से निकलने वाले धुएं, वृक्षों की अंधाधुंध कटाई, नदी और तालाबों का प्रदूषित होना आदि घटनाएं पर्यावरण के साथ खिलवाड़ है। हमने प्रगति की दौड़ में मिसाल कायम की है मगर पर्यावरण का कभी ध्यान नहीं रखा जिसके फलस्वरूप पेड़ पौधों से लेकर नदी तालाब और वायुमण्डल प्रदूषित हुआ है और मनुष्य का सांस लेना भी दुर्लभ हो गया है।

यह सही है कि मानव जीवन के समक्ष आज चुनौतियां ही चुनौतियां हैं। पर्यावरण की चुनौती इनमें सबसे बड़ी है। मानव के सुखमय जीवन को व्यतीत करने के लिए यह आवश्यक है कि हमारा पर्यावरण साफ सुथरा हो। विज्ञान ने जैसे-जैसे प्रगति हासिल की है वैसे-वैसे पर्यावरण की चुनौती हमारे सामने आ खड़ी हुई है। पर्यावरण प्रदूषण एक विश्वव्यापी समस्या है। पेड़-पौधे, मानव, पशु-पक्षी सभी उसकी चपेट में है। कलकारखानों से निकलने वाला उत्सर्जन, पेड़ पौधों की कटाई, वायु प्रदूषण ने मानव जीवन के समक्ष संकट खड़ा कर दिया है।

वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने भी पर्यावरण को बहुत अधिक क्षति पहुंचाई है।

चिंतन

कनाडा की धरती पर बनेगा खालिस्तान?

अशोक मधुप

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत में खालिस्तान बनाने की मांग करने वाले अतिवादियों पर पूरी तरह मेहरबान है। भारत द्वारा इन अतिवादियों के बारे में दी गई जानकारी पर वे कुछ कार्रवाई नही कर रहे, अपितु भारत पर ही आरोप लगा रहे हैं कि भारत से फरार अपराधी खालिस्तानी अतिवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में उसके राजनयिक का हाथ है। भारत को चाहिए कि यह कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भारत के खालिस्तान का समर्थन करने वाले अतिवादियों का समर्थन करने दें। कुछ समय ऐसा ही चलने दें। हां सार्वजनिक रूप से भारत उसे चेतावनी देने का सिलसिला जारी रखें। अपने यहां खालिस्तान समर्थकों पर सख्ती रखें। कुछ समय ऐसा ही चलता रहा तो यह निश्चित है कि अब खालिस्तान भारत में नही कनाडा में बनेगा। कनाडा की धरती पर बनेगा।

आज जो कनाड़ा कर रहा है, कभी वही भारत के कुछ नेताओं ने किया था। वह पंजाब में खालिस्तान की बढ़ती गतिविधियों को नजर अंदाज करते रहे। परिणाम स्वरूप पजांब में रहने वाले हिंदुओं को पंजाब छोड़ने के लिए कहा जाने लगा। उन पर हमले होने शुरू हो गए। सिख आंतकवाद पंजाब में ही नही बढ़ा, अपितु उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र को भी उसने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया।इस दौरान पंजाब में धार्मिक नेता भिंडरावाला तेजी से लोकप्रिय होने लगे। कहा जाता है कि राजनैतिक लाभ के लिए केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे प्रश्य देना शुरू कर दिया। हालत यह हुई कि वहीं भिंडरावाला कांग्रेस के लिए भस्मासुर साबित हुआ। उसने स्वर्ण मंदिर में डेरा जमा लिया। मजबूरन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भिंडरावाला को स्वर्ण मंदिर से निकालने के लिए फौज का सहारा लेना पड़ा। बाद में उनके ही दो सुरक्षा गार्ड ने उनकी हत्या कर दी। आज जो कनाडा में हो रहा है, वह 40 साल से खालिस्तान समर्थकों को पोषित किए जाने का परिणाम है।कनाडा में खालिस्तान समर्थक आंदोलन पिछली सदी के आठवें दशक में शुरू हो गया था। पियरे ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद इसकी जड़ें गहरी हुईं। उनके कार्यकाल के दौरान ही तलविंदर परमार भारत में चार पुलिसकर्मियों की हत्या करने के बाद कनाडा भाग गया था।

प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जून 1973 में कनाडा की यात्रा की थी और पियरे ट्रूडो के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध सौहार्दपूर्ण थे। लेकिन, पियरे ट्रूडो ने 1982 में तलविंदर परमार को भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध ठुकरा दिया। इसके लिए बहाना बनाया गया कि भारत का रुख महारानी के प्रति पर्याप्त रूप से सम्मानजनक नहीं है। पियरे ट्रूडो के पद छोड़ने के ठीक एक साल बाद तलविंदर परमार ने जून 1985 में एयर इंडिया की फ्लाइट 182 (कनिष्क) में बम विस्फोट की साजिश रची, जिसमें विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए। हालाकि मरने वालों मे अधिकतर कनाडा के ही नागरिक थे। इस विमान हादसे में कुछ तो पूरे परिवार ही खत्म हो गए।

अगर पियरे ट्रूडो ने तलविंदर परमार को भारत प्रत्यर्पित करने का इंदिरा गांधी का अनुरोध मान लिया होता, तो कनिष्क विमान में विस्फोट नहीं हुआ होता। भारतीय-कनाडाई राजनीति के जानकार मानने लगे हैं कि जो गलती पियरे ट्रूडो ने तब की थी,वहीं उनके बेटे जस्टिन ट्रूडो भी आज कर रहे हैं।अपनी सरकार चलाने के लिए कनाडा में खालिस्तान समर्थक उग्रवादियों के प्रति सहानुभूति रखकर वही गलती कर रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाकर कनाडा में पल रहे खालिस्तानी समर्थकों को हवा दे दी है। प्रधानमंत्री के इन आरोपों के बाद कनाडा के अलग-अलग राज्यों में खालिस्तान समर्थकों ने ऐसी साजिश रचनी शुरू कर दी जिससे वहां रह रहे न सिर्फ भारतीयों बल्कि डिप्लोमेट्स और भारतीय दूतावास के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है बल्कि कनाडा में बसे भारतीय हिंदुओं को भी खतरा बनेगा। खालिस्तानी समर्थकों ने 25 सितंबर को कनाडा के हाईकमीशन और सभी काउंसलेट के बाहर बड़े प्रदर्शन की तैयारी की है। खुफिया एजेंसी को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि ब्रिटिश कोलंबिया के सरे स्थित गुरुद्वारे में काउंसिल के कुछ सदस्यों ने इसे लेकर साजिश रची है। जानकारी यह भी है कि इस पूरे प्रदर्शन में कनाडा के कई पूर्व सांसद, नेता और कुछ चरमपंथी और खालिस्तान समर्थक इस मामले पर खतरनाक मंसूबों के साथ आगे बढ़ रहे हैं।रक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि कनाडा की जमीन पर पहले से ही खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की सरकार प्रश्रय देती आई है। यही वजह है कि कनाडा सरकार के समर्थन के चलते भारत विरोधी गतिविधियां इस देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार चलती रहती हैं। बीते कुछ समय में खालिस्तान जनमत संग्रह के नाम पर कनाडा की सरकार न सिर्फ इन भारत विरोधी खालिस्तानियों को सुरक्षा मुहैया कराती आई है बल्कि कार्यक्रम स्थलों की भी उपलब्ध करवाती आई है।पिछले दिनों एक शोभा यात्रा में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरागांधी की हत्या की झांकी निकालना भी इसी कड़ी का हिस्सा है। जानकारों का मानना है कि जिस तरीके से कनाडा के प्रधानमंत्री ने भारत के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाया है उसका असर अगले कुछ दिनों में ही बहुत तेजी से दिखाना शुरू हो सकता है। विदेशी मामलों की जानकार मानते हैं कि कनाडा सरकार का भारत के लिए लिया गया एक्शन आने वाले दिनों में भारत और कनाडा के रिश्तों पर भी बड़ा असर डालने वाला है।

कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान के बाद के हालात में क्रम में सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से हिंदू समुदाय को धमकी दी गई है। एसएफजे के पन्नू ने कनाडा के हिंदुओं को धमकी दी है । पन्नू ने उन्हें कनाडा छोड़ने के लिए कहा है। खालिस्तानी अलगाववादी सरगना ने कनाडा में सिखों से वैंकूवर में 29 अक्टूबर को होने वाले तथाकथित जनमत संग्रह में वोट डालने की भी अपील की। जो पन्नू ने कनाड़ा के हिंदुओं से कहा है, ऐसा ही कभी पंजाब में आंतकवाद की शुरूआत में कहा गया था। फिर उन पर हमले शुरू हो गए थे। कनाडा में धमकी से पहले ही हिंदुओं पर हमले होने लगे हैं।

इन धमकियों को लेकर कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने एक न्यूज चैनल के साथ इंटरव्यू में कहा कि कनाडा में खालिस्तानी समूहों से बढ़ते खतरों के मद्देनजर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय भयभीत है। कनाडा में हिंदू लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं हैं. उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सरे में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के शामिल होने के दावे के बाद कनाडा में हिंदू लोगों के खिलाफ धमकियों की निंदा की। इंटरव्यू के दौरान आर्य ने कनाडाई टिप्पणीकार एंड्रयू कॉइन के कॉलम का हवाला दिया। इन्होंने कहा था कि कनाडा में सांप्रदायिक खून-खराबे का खतरा है।खालिस्तान आंदोलन के बढ़ते खतरे के बारे में लिबरल सांसद की चेतावनी पन्नू का एक वीडियो वायरल होने के बाद कनाडा की सरकार ने इस तरह के काम पर अपनी असहमति जाहिर की और इस बात पर जोर दिया कि देश में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। दरअस्ल कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को पाकिस्तान पाल रहा है। कनाड़ा इन्हें प्रश्रय दे रहा है। अमेरिका आज के हालात में भारत का विरोध नही कर पा रहा किंतु इस मामले में उसका भी रवैया ठीक नही है।कनाडा के हिंदुओं को धमकी देने वाला सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिकी नागरिक है। पन्नू भारत का फरार और इनामी आंतकी है। इसके बावजूद वह अमेरिका में सरे आम रह रहा है।

भारत को चाहिए कि वह भारत में खालिस्तान समर्थकों के प्रति सख्ती जारी रहे। कनाडा में भारत के खिलाफ कार्रवाई करने वालों पर मुकदमें दर्ज करने के साथ उनके आईओसी कार्ड जब्त करता रहे। इनकी भारत की संपत्ति भी कब्जे में ले।आज कनाडा जो कर रहा है, कल उसके ही सामने आएगा। खालिस्तान समर्थक वहां रहने वाले हिंदुओं पर हमले करेंगे। कानून व्यवस्था कनाडा की खराब होगी। मजबूरन जब कनाडा सरकार सख्ती करेगी तो ये खालिस्तान समर्थक कनाडा के निवासी भिंडरावाला की तरह उसी के सामने संकट खड़ा करेंगे।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से लापता पाकिस्तानी यूट्यूबर घर लौटा : पुलिस

इस्लामाबाद/भाषा

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई को हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से लापता विवादास्पद पाकिस्तानी प्रस्तोता और यूट्यूबर इमरान रियाज खान सुरक्षित घर लौट आए हैं। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

रियाज खान (47) के यूट्यूब पर 30 लाख से अधिक फॉलोवर हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में नौ मई को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद देश भर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद कथित रूप से गिरफ्तार किया गया था।

रियाज खान पूर्व प्रधानमंत्री के बड़े समर्थक माने जाते हैं और उन्होंने पिछले साल अप्रैल में इमरान खान को अपदस्थ किए जाने के बाद प्रतिष्ठान की कड़ी निंदा की। गिरफ्तारी के बाद उन्हें लाहौर छावनी पुलिस थाने और बाद में पंजाब प्रांत की सियालकोट जेल ले जाए जाने की आखिरी जानकारी मिली थी।

एक विधि अधिकारी ने 15 मई को लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) को बताया था कि रियाज खान से लिखित में शपथपत्र लेने के बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया था।

बहरहाल पंजाब प्रांत के सियालकोट की पुलिस ने विस्तार से कोई जानकारी दिए बिना सोमवार को बताया कि रियाज खान सुरक्षित घर लौट आए हैं।

सियालकोट पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''पत्रकार/प्रस्तोता इमरान रियाज खान का पता लगा लिया गया है और वह सुरक्षित हैं। वह अब अपने परिवार के साथ हैं।''

रियाज खान के वकील मियां अली अशफाक ने भी रियाज खान के घर लौटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि '' बहुत सी कठिनाइयों, कमजोर न्यायपालिका, मौजूदा निष्प्रभावी संविधान और कानूनी लाचारी'' के कारण इसमें काफी समय लग गया।

लाहौर उच्च न्यायालय रियाज खान के कथित अपहरण के मामले की सुनवाई कर रहा था और उसने 20 सितंबर को पंजाब पुलिस को आखिरी मौका देते हुए यूट्यूबर का पता लगाने का आदेश दिया था।

उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के नेता को ऐसा 'शख्स बताया जिसके दिमाग में कचरा भरा है'

सियोल/एपी

उत्तर कोरिया ने रूस के साथ सैन्य संबंध पर उसे चेतावनी देने को लेकर सोमवार को दक्षिण कोरिया की निंदा की और देश के राष्ट्रपति यूं सुक येओल को ''एक ऐसा शख्स बताया जिसके दिमाग में कचरा भरा है'', साथ ही उन्हें ''कूटनीति के मामले में मूर्ख'' भी कहा।

पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा में यूं ने कहा था कि अगर उत्तर कोरिया और रूस हथियार समझौता करते हैं और उससे दक्षिण कोरिया को खतरा पैदा होता है तो वह ''शांत नहीं बैठेंगे''।

इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात तथा अहम सैन्य स्थलों की यात्रा के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की रूस यात्रा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई गई थी और आशंका जताई जा रही थी कि यूक्रेन के साथ युद्ध के कारण खत्म हुई रूस की पारंपरिक हथियारों के भंडार को फिर से भरने के बदले में उत्तर कोरिया रूस पर परिष्कृत परमाणु और हथियार प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने के लिए दबाव डाल सकता है।

उत्तर कोरिया के आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने कहा, ''कठपुतली विश्वासघाती यूं सुक येओल ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में (उत्तर कोरिया) रूस के बीच संबंधों को बदनाम किया।''

रूस के साथ संभावित हथियार समझौते के बारे चिंताओं के बारे में कोई बात किए बिना केसीएनए ने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ करीबी संबंध बनाए रखना ''स्वाभाविक'' और ''वैध अधिकार'' है।

रैली

कोलकाता में सोमवार को संग्रामी जौथा मंच के सदस्यों ने एआईसीपीआई और अन्य मांगों के अनुसार डीए की मांग को लेकर रैली निकाली।

'लव जिहाद' और धर्मांतरण के खिलाफ अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की संघ की रणनीति

लखनऊ/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कथित 'लव जिहाद' और धर्मांतरण के खिलाफ वृहद जन जागरण अभियान तेजी से आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी में अपनी विचारधारा के प्रचार के लिए पूरी सक्रियता से काम करने का फैसला किया है।

संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख अशोक दुबे ने सोमवार को बताया कि सरसंघचालक मोहन भागवत के अवध (लखनऊ) प्रांत में प्रवास के दौरान संगठन की विभिन्न बैठकें हुईं। उन्होंने बताया कि इस दौरान ग्रामीण अंचल में ''समाज एवं राष्ट्र विरोधी तत्वों'' की गतिविधियों के विरुद्ध अभियान तथा 'लवजिहाद' और धर्मांतरण के खिलाफ वृहद जन जागरण का काम तेजी से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि इन बैठकों में नई पीढ़ी में भी संघ के विचार एवं संस्कार के प्रचार के लिए पूरी सक्रियता से काम करने का फैसला किया गया। दुबे ने बताया कि संघ समाज के हर क्षेत्र में अपनी व्यापक उपस्थिति एवं गतिविधियां बढ़ाने का कार्य सक्रिय रूप से करेगा।

'दुर्गा पूजा के दौरान रिलीज होने वाली सभी चार बांग्ला फिल्में अच्छा प्रदर्शन करें'

कोलकाता/भाषा

अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी चाहते हैं कि दुर्गा पूजा के दौरान रिलीज होने वाली उनकी आगामी फिल्म 'दॉशोम ऑबोतार' (दसवां अवतार) सहित सभी चारों बांग्ला फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करें ताकि बांग्ला सिनेमा के अच्छे दिन आएं।

श्रीजीत मुखर्जी की थ्रिलर फिल्म 'दॉशोम ऑबोतार' में चटर्जी एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं। यह फिल्म दुर्गा पूजा के दौरान रिलीज होने जा रही चार बांग्ला फिल्मों में से एक है।अभिनेता ने रविवार को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च करने के कार्यक्रम के इतर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, दुर्गा पूजा बंगाली सिनेमा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि लोगों को विभिन्न पंडालों में जाने के अलावा बड़े पर्दे पर फिल्में देखने की आदत है। उन्होंने कहा, दुर्गा पूजा के दौरान चार फिल्में रिलीज होंगी। मुझे उम्मीद है कि चारों फिल्में पहले शो से ही लोगों को आकर्षित करेंगी। अगर सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करती हैं तो यह बांग्ला सिनेमा के लिए ही अच्छा होगा। चटर्जी ने कहा कि कोविड-19 महामारी के खत्म होने के बाद दुर्गा पूजा के दौरान सिनेमाघरों में फिल्में देखने का चलन फिर से लौट आया है।

दुर्गा पूजा के मौके पर 'दॉशोम ऑबोतार' के अलावा, अभिनेता देव की 'बाघा जतिन', अबीर चटर्जी और मिमी चक्रवर्ती अभिनीत 'रक्तबीज' और कोयल मलिक अभिनीत 'जोंगोले मितिन माशी' (मितिन आंटी की जंगल यात्रा) रिलीज होगी।

चटर्जी के अलावा, 'दॉशोम ऑबोतार' में अनिर्बान भट्टाचार्य, जिशु सेनगुप्ता और बांग्लादेशी अभिनेत्री जया अहसन भी प्रमुख किरदार में नजर आएंगे।

उत्सव

किश्तवाड़ में सोमवार को सचिव जेएके पर्यटन और संस्कृति, सैयद आबिद रशीद शाह ने किश्तवाड़ जिले में वारवान उत्सव का उद्घाटन किया।

'कश्मीर-एनिग्मा ऑफ पैराडाइज' की शूटिंग शुरू

मुंबई/वार्ता

निर्देशक अतुल गर्ग की फिल्म कश्मीर-एनिग्मा ऑफ पैराडाइज की शूटिंग शुरू हो गयी है। फिल्म कश्मीर -एनिग्मा ऑफ पैराडाइज का निर्देशन अतुल गर्ग कर रहे हैं । इस फ़िल्म के जरिये अतुल गर्ग कश्मीर के इतिहास को आज़ादी के पहले सन 1920 से लेकर आज तक के इतिहास को दिखाने वाले हैं, जिसके लिए विशेष तौर पर स्क्रीनप्ले में तैयारियां की गई हैं अभिनेता दर्शील सफारी ने कहा कि फिल्म कश्मीर-एनिग्मा ऑफ पैराडाइज की कहानी बेहद आकर्षक है और इसमें एक लंबी जर्नी दिखाई गई है जो वाक़ई दिलचस्प और टफ काम है। इसको करने में कई बार बहुत सी चुनौतियों का सामना भी करना पड़ा है, लेकिन इसका विषय और सन्दर्भ इतना प्रेरक है कि इसको हर अभिनेता करना पसंद करता । निर्देशक अतुल गर्ग सर बेहद जेंटल तरीके से इस फ़िल्म को बना रहे हैं, और उनके साथ काम करके मजा आ रहा है । सबसे बड़ी बात ये है कि हर सीन और शॉट्स को फिल्माने से पहले अतुल सर कॉन्सेप्ट को क्लियर कर देते हैं जिससे अभिनय करने वाले के मन मे कोई संशय ही ना रह जाये । इटरनल फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बन रही फिल्म कश्मीर - एनिग्मा ऑफ पैराडाइज में दर्शील सफारी,रजनीश दुग्गल,इनामुलहक,आकांक्षा पुरी,सज्जाद डेलाफ्रूज, रामगोपाल बजाज,अध्ययन सुमन,एम के रैना,आरिफ़ ज़कारिया,पवन चोपड़ा,अमित बहल,महेश बलराज, प्रणीत भट्ट,डेलबर आर्या,निहारिका रायजादा तथा मीर सरवर की अहम भूमिका है।

कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव

बीपीसीएल को मिले 10 अवॉर्ड

मुंबई/दक्षिण भारत। 'महारत्न' और फॉर्च्यून ग्लोबल में शामिल 500 कंपनियों में से एक भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने 17वें ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में कुल 10 प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए। पब्लिक रिलेशन्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) की ओर से 21 सितंबर को नई दिल्ली में इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था।

बीपीसीएल के चीफ जनरल मैनेजर (पीआर एंड ब्रांड) सैयद अब्बास अख्तर को 'इंटीग्रेटेड पब्लिक रिलेशन' के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित जीपी जयकुमार मेमोरियल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सांसद जुएल ओराम के हाथों मिला यह सम्मान बीपीसीएल की पीआर पहलों का कंपनी के स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग उद्देश्यों के साथ सहज जुड़ाव का प्रतीक है।

कार्यक्रम के बाद अब्बास अख्तर ने कहा, 'मैं यह सम्मान पाकर बहुत आभारी महसूस कर रहा हूं। यह उपलब्धि हमारे सम्मानित भागीदारों की सहयोगात्मक भावना के साथ-साथ विभिन्न बिजनेस यूनिट और संस्थाओं को हमारे ब्रांड, मार्केटिंग और संचार टीमों से मिले अटूट समर्थन का प्रतिबिंब है। यह हमारे तालमेल और प्रभावी संचार की शक्ति के प्रदर्शन का प्रतीक है।' इस उपलब्धि के अलावा बीपीसीएल ने कॉर्पोरेट श्रेणी में 9 अवॉर्ड और भी हासिल किए हैं।

ज्यूरिक फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी अभिषेक बनर्जी की फिल्म 'स्टोलन'

मुंबई/वार्ता

अभिनेता अभिषेक बनर्जी की फिल्म 'स्टोलन' ज्यूरिक फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होगी। फिल्म 'स्टोलन', में अभिषेक बनर्जी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को ज्यूरिक फिल्म फेस्टिवल में फीचर फिल्म प्रतियोगिता श्रेणी के तहत चुना गया है।ज्यूरिक फिल्म फेस्टिवल का 19वां संस्करण 28 सितंबर से 8 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें करण तेजपाल द्वारा निर्देशित 'स्टोलन' 29 सितंबर को फेस्टिवल में प्रदर्शित होने वाली है। फिल्म स्टोलन एक पांच महीने के बच्चे की कहानी है जिसे उसकी मां से अपहरण कर लिया गया था। और यह घटना भाइयों गौतम और रमन का ध्यान आकर्षित करती है, जिससे उन्हें विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो उनके रिश्तों और दृढ़ विश्वास का परीक्षण करती हैं। फिल्म में शुभम और मिया मेल्ज़र भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

निर्माता गौरव ढींगरा ने कहा, यह हमारे लिए बहुत खास पल है। जिस तरह से हमारी फिल्म 'स्टोलन' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिल चुराने में कामयाब रही है, हम इस प्यार के लिए और हमारी फिल्म को ज्यूरिक फिल्म फेस्टिवल में लाने के लिए आभारी और उत्साहित हूं। एक निर्माता के रूप में, मैं अपनी फिल्म के माध्यम से भारत को विश्व मानचित्र पर लाने का अवसर पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

फिल्म 'मिशन रानीगंज' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म मिशन रानीगंज का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार की फिल्म मिशन रानीगंज माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के जीवन से प्रेरित है। गिल ने 1989 में रानीगंज कोलफील्ड्स में 64 लोगों को बचाया था। फिल्म में अक्षय कुनमार जसवंत सिंह का किरदार करते नजर आएंगे।मिशन रानीगंज की कहानी कोयला खदान में फंसे 65 मजदूरों की कहानी हैं. जो काम करने के दौरान खदान में फंस जाते हैं। फिल्म मिशन रानीगंज का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'मिशन रानीगंज' के ट्रेलर की शुरुआत एक बड़े धमाके से होती है। खदान में काम कर रहे लोगों के लिए जिंदगी मुसीबत में पड़ जाती है।

तब मसीहा बनकर अक्षय कुमार, एंट्री मारते हैं ।जब हर कोई ये मान लेता है कि मजदूर मर चुके हैं, तब अक्षय कुमार ये ठान लेते हैं कि वह रेस्क्यू करेंगे और मजदूरों को बचाएंगे। अक्षय कुमार एक रियल लाइफ हीरो बनकर उन्हें बचाने के लिए रिस्क लेते हैं और सॉलिड प्लान बनाते हैं। पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी फिल्म 'मिशन रानीगंज' का निर्माण विशू भगनानी, जैकी भगनानी, दीपशिखा देशमुख और अजय कपूर ने मिलकर किया है। फिल्म मिशन रानीगंज को टीनू देसाई ने निर्देशित किया है।इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा परिणीति चोपड़ा , कुमुद मिश्रा, पवन मल्होत्रा, रवि किशन, वरुण बडोला, राजेश शर्मा और विरेंद्र सक्सेना जैसे सितारे अहम किरदार में हैं।'मिशन रानीगंज' 6 अक्टूबर को रिलीज होगी।

'टाइगर 3' से धमाल मचाने के लिए तैयार हैं सलमान खान

मुंबई/वार्ता

फिल्म निर्माता यश चोपड़ा की जयंती पर आदित्य चोपड़ा 'टाइगर का मैसेज' जारी करेंगे। एक वीडियो जारी किया जाएगा, जिसे प्रमोशन की शुरूआत माना जा रहा है। यह 'टाइगर 3' के ट्रेलर से पहले का वीडियो होगा। एक सूत्र ने कहा, ''यह वीडियो 'टाइगर 3' के ट्रेलर की प्रस्तावना है। इसमें एजेंट टाइगर के रूप में सलमान खान एक महत्वपूर्ण संदेश देंगे।'' सलमान वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स के ओजी हैं, जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी को आकार देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म 'टाइगर 3' की सभी पर निगाहें हैं। सूत्र ने आगे कहा, इस दिवाली पर रिलीज होने वाली 'टाइगर 3' से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। यह प्रसिद्ध वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है, इसलिए दर्शकों ने अब तक इस बात पर भारी निवेश किया है।

'टाइगर 3', जो 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर' और 'पठान' का अनुसरण करती है, एक शानदार एक्शन मनोरंजक है, जिसे लोगों ने पहले स्क्रीन पर नहीं देखा है। आदित्य चोपड़ा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स का निर्माण कर रहे हैं और सलमान खान और कैटरीना कैफ अभिनीत 'टाइगर 3' उनकी अगली फिल्म है।

लालबागचा राजा के दर्शन करते हुए बेहद खुश नजर आईं सान्या मल्होत्रा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'जवान' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने सोमवार को गणेशोत्सव के अवसर पर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए लालबागचा राजा के दर्शन किए। देश 19 सितंबर से 'गणेशोत्सव' मना रहा है। देशभर में 'गणपति बप्पा मोरया' की गूंज है और लोग ढोल-नगाड़ों की धुन पर जमकर थिरक रहे हैं। पंडाल के वीडियो में सान्या को भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए टीम के साथ दिखाया गया है। उन्होंने मस्टर्ड येलो कलर का सलवार सूट और मैचिंग दुपट्टा पहना हुआ है। उन्होंने अपने घुंघराले बालों को खुला रखा और कम मेकअप का विकल्प चुना। उन्होंने अपने लुक को सिल्वर इयररिंग्स से पूरा किया और जूतियां पहनीं। सान्या ने भगवान गणेश की मूर्ति के साथ पोज दिया और कैमरे के सामने मुस्कुराईं। 'जवान' में नयनतारा, विजय सेतुपति, दीपिका पादुकोण, प्रियामणि और सान्या हैं। इसे 7 सितंबर को रिलीज किया गया था। एटली द्वारा निर्देशित, 'जवान' में शाहरुख दोहरी भूमिका में हैं।

इससे पहले, अपने प्रशंसकों के साथ एक प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान सान्या ने 'जवान' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, यह शानदार था, निश्चित रूप से मेरे लिए एक सपना सच हो गया। मैं अब भी विश्वास नहीं कर पा रही हूं। शाहरुख खान के साथ काम करने पर 'लूडो' अभिनेत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है और मैं प्रार्थना करती हूं कि मुझे उनके साथ दोबारा काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है। उनके आसपास रहना ही मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि मैं जवान का हिस्सा हूं। एटली के बारे में बात करते हुए, सान्या ने साझा किया था, मैं एटली सर के साथ काम करने के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने में मदद की। एक अभिनेता को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने या शायद कुछ नया करने में समय लगता है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उसके साथ फिर से काम करने का मौका मिलेगा। सान्या के पास अगली फिल्म 'सैम बहादुर' और एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट है जो 'द ग्रेट इंडियन किचन' का रीमेक है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जोधपुर एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा, नूतन सदस्य निर्देशिका का विमोचन, संवत्सरी तथा गणेश चतुर्थी स्नेह मिलन रविवार को शहर के मेडिकल कॉलेज सभागार में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को गणेश चतुर्थी तथा संवत्सरी पर्व की शुभकामनाएं दी।

गुरु दर्शन अमृत यात्रा संघ यात्रियों ने आचार्यश्री महाश्रमण के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथी सभा गांधीनगर से 4 दिवसीय गुरु दर्शन अमृत यात्रा संघ में 151 श्रावक-श्राविकाओं का दल चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शनार्थ मुम्बई पहुंचा। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी की प्रेरणा से सभा अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ के नेतृत्व में संघ सदस्यों ने गुरुदेव से क्षमा याचना करते हुए आगामी वर्ष चातुर्मास प्रदान कराने हेतु निवेदन किया। आचार्यश्री ने कहा कि वर्ष 2019 में बेंगलूरु चातुर्मास का अनुभव बहुत सुखद है। बेंगलूरु ज्ञानशाला मुमुक्षु की फैक्ट्री है। पदाधिकारियों ने आचार्यश्री को सभा की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी तथा बेंगलूरु की विभिन्न 4 सभाओं को आगामी वर्ष के लिए 4 अलग अलग चातुर्मास प्रदान करने का निवेदन किया। वरिष्ठ श्रावक बहादुर सेठिया ने गीतिका का गान किया। सभा मंत्री गौतम मांडोत, संघ संयोजक अरविंद सिंघी ने विचार व्यक्त किए। संचालन संगठन मंत्री धर्मेश कोठारी ने किया। संघ सहसंयोजक सुरेश संचेती, उपाध्यक्ष रमेश कोठारी, उपाध्यक्ष सुनील बाफना, सहमंत्री विनय बैद, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी का विशेष श्रम रहा। संघ यात्रियों ने विभिन्न साधु साध्वियों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

संयम साधना के मार्ग पर चलकर ही आत्मिक सुख और आनंद की प्राप्ति संभव : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि कल्याण व संयम की बातें सुनकर ही जानी जाती है। अच्छे श्रोता की तरह अपने अंतर भावों और आत्मिक सोच को बदलना आवश्यक है। उनमें परिवर्तन लाओ, अहं का त्याग करो। संयम साधना के मार्ग पर चलकर आत्मिक सुख और आनंद की प्राप्ति करो। प्रवचनों को सुनो, चिंतन मनन करो और उन्हें आचरण में उतारो। अच्छे श्रोता बनकर ही संयम और कल्याण कारक बातों को सुना और समझा जा सकता है। साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि साधनामय जीवन व्यतीत कर नायक बनना चाहते हैं या सांसारिक कषाय भरा मिथ्या अहं से युक्त जीवन को खलनायक की तरह बिताना चाहते है। अच्छे या बुरे विचार सुनकर ही अपनाए जाते हैं जो जीवन को संवारते या बिगाड़ते है। इस मौके पर मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, राजेश जैन, मनोज परमार, मनोहरलाल पृथ्वीराज आदि उपस्थित रहे।

जोधपुर एसोसिएशन के स्नेह मिलन में सदस्य निर्देशिका का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जोधपुर एसोसिएशन की वार्षिक साधारण सभा, नूतन सदस्य निर्देशिका का विमोचन, संवत्सरी तथा गणेश चतुर्थी स्नेह मिलन रविवार को शहर के मेडिकल कॉलेज सभागार में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को गणेश चतुर्थी तथा संवत्सरी पर्व की शुभकामनाएं दी।

मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने पिछली वार्षिक सभा की गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने वर्ष भर का लेखा जोखा सर्वसम्मति से पारित कराया तथा ऑडिटर के रूप में गोपाल राठी को नियुक्त किया। संरक्षक धीरेन्द्र कुमार ने जोधपुर एसोसिएशन की महत्ता पर प्रकाश डाला और सहमंत्री कमल राज भण्डारी ने आभार ज्ञापित किया ।

दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद लहरसिंह सिरोया, संरक्षक धीरेंद्र कुमार, पदमराज मेहता,राजेन्द्र लोढा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास, वर्तमान अध्यक्ष व मंत्री, निर्देशिका समिति के संयोजक पूर्व मंत्री कैलाश भंसाली ,सज्जनराज मेहता, सहमंत्री कमलराज भंडारी, ऋषि भंडारी देवेन्द्र कोठारी, कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने दीप प्रज्ज्वलन किया। लहरसिंह सिरोया ने सदस्य निर्देशिका का विमोचन किया। सिरोया ने सामूहिक क्षमायाचना करते हुए जोधपुर और जोधपुरियों से संबंद्ध और स्मृति के झरोखे से कई संस्मरण साझा किये। सिरोया के करकमलों से स्नेह मिलन के प्रायोजक पुष्पादेवी मानमल लुनिया, सन्तोष जसवन्तराज भन्साली परिवार का सम्मान किया गया।

इसके अलावा तपस्वियों का सम्मान किया गया। निर्देशिका समिति के संयोजक कैलाश भन्साली ने निर्देशिका प्रकाशन की समूची जानकारी दी और सहसंयोजक सज्जनराज मेहता ने संस्था की जानकारी डिजिटल माध्यम से लघु फ़िल्म की तरह प्रदर्शित की। मंत्री जितेंद्र दुगड़ ने आभार प्रकट किया। नरेन्द्र भंडारी, राजेश भंडारी, अनिल भंडारी, महेन्द्र भंडारी, वीरेन्द्र भंडारी का सहयोग रहा।

तेरापंथ युवक परिषद का सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम रविवार को तेरापंथ सभा भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी व काव्यकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने तेयुप विजयनगर को सक्रिय परिषद बताते हुए कहा की परिषद साथियों को मधुर व्यवहार रखने के साथ साथ सबको साथ मिलकर चलना चाहिए। आचार्यश्री तुलसी के विकास के मंत्र को परिषद के साथियों को व्यक्तिगत स्तर पर आत्मसात करने की भी प्रेरणा दी। काव्यकुमारजी ने परिषद सदस्यों, किशोर मंडल को लगातार नया सीखते रहने की प्रेरणा दी।

तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरणा ने सबका स्वागत करते हुए संतों सभी सभी संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारियों से परिषद की ओर से सामूहिक क्षमायाचना की। इस अवसर पर सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने भी परिषद परिवार से खमत खामणा की। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा ने परिषद को चातुर्मास के शेषकाल में परिषद गतिविधियों को और गति प्रदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन तेयुप पूर्व अध्यक्ष राकेश दुधोडिया ने किया। इस अवसर पर परिषद के परामर्शकगण सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कन्यादान के साथ पुत्रदान भी जरूरी है : महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि कन्यादान के साथ पुत्रदान भी जरूरी है। पहला हक पुत्र पर माँ का है, लेकिन शादी होने के बाद वह पुत्र जब पति बन जाता है तो उसका पहला हकएक पत्नी का है। जब आप कन्यादान करते हैं तो फिर वहीं पर पुत्र के पिता का भी कर्तव्य होता है कि जब उसे कन्या के पिता ने कन्यादान कर दिया तो हम भी अपने पुत्र का दान कर दें। तब जाकर के किसी का दाम्पत्य सफल होता है। अब कन्यादान तो ले लेते हैं, लेकिन पुत्रदान नहीं करते। हर माता पिता को चाहिए कि उसे अपने संतानों को अपने हिसाब से भी जीने दो।

गुरु गुणोत्सव कार्यक्रम में हुआ गुरुओं का गुण स्मरण

तपस्वियों की विभिन्न तपस्या की हुई अनुमोदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एलएनपुरम में शांतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में मुनिश्री राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में गुरु गुणोत्सव एवं तपोत्सव का भव्य कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि गुरु के उपकार का स्मरण करना चाहिए। मुगल सम्राट अकबर को प्रतिषोध करनेवाले जगदगुरु आचार्यश्री हीरविजयसूरीजी महाराजा ने पूरे जैनशासन में अहिंसा का धर्मध्वज फहराया था, वो आचार्य भगवंत आचार एवं क्रियाओं में चुस्त थे। उन्होंने अपने अनुशासन व आचार का पालन करते हुए अकबर को चकित कर दिया था, वो आचारमूर्ति एवं तपोभूर्ति थे। आचार्यश्री पद्मसागरसूरीजी ने भी अनेक शासन प्रभावक काम किये है, वो वचन सिद्धपुरुष है अनेक संघों के कार्य समाजकार्य और तीर्थ की रक्षा एवं अपने जीवन श्रृतोपासना की। आचार्यश्री ने दुर्लभ ग्रंथ की रक्षा के लिए कोबा (गुजरात) मे ज्ञानमंदिर बनवाया। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि दिशा यंत्र जो होता है वह हमेशा उत्तर दिशा दिखाता है परंतु जो सद्गुरु होते हैं वह हमेशा भक्तों को सही दिखा दिखाते हैं। उत्तम दिशा दिखाते हैं ।

इस मौके पर आच्छा परिवार में सिद्धितप करने वाले तपस्वी वेदा, विधि वसंता व अठ्ठाई तप करने वाले आशीष के तपस्या अनुमोदनार्थ वरघोड़ा निकाला गया। स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी संघवी भाणकचंद मंगलचंद नरेन्द्र आच्छा ने लाभ लिया। इस मौके पर गुरु गुण उत्सव के उपलक्ष्य में अरिहंत परमात्मा की भव्य अंगरचना, धार्मिक गुरुओं का सम्मान, जीवदया, सामायिक, अन्नदान आदि कार्य हुए।

इस अवसर पर संघ अध्यक्ष विनोद संघवी, सुरेश भंडारी, रमेश भंडारी, जवरीलाल मुथा, प्रसन्न चंडालिया, साजन बरलोटा,माणकचंद आच्छा, रमेश सियाल, राजेंद्र नाहर, कांतिलाल महेंद्र छाजेड़, इंदरचंद बोहरा, गौतमचंद संचेती, मोहनलाल बोहरा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघ के सचिव नरेन्द्र आच्छा से किया।

जयनगर संघ का सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम व वार्षिकोत्सव संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एसएस जैन ट्रस्ट जयनगर में रविवार को सामूहिक क्षमापना व वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने सभी का स्वागत किया। संघ के बालक बालिकाओं द्वारा 'मिथ्यात्व से सिद्धत्व की ओर तथा संस्कारों का महत्व' विषय पर दो नाटिकाओं को प्रस्तुति दी गई। महिला मंडल की मंत्री नीतूबाफना ने महिला मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। मार्गदर्शन सुरेश गुलेच्छा ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी। संघ की मंत्री पदमचंद बोहरा ने सभी दानदाताओं का धन्यवाद दिया। युवक मंडल की विस्तृत जानकारी युवा मंडल के अध्यक्ष भरत भंसाली ने बताई। प्रकाश ओस्वाल एवं स्नेहलता बाफना को उनके मासक्षमण तपस्या के लिए सम्मानित किया गया। इसके बाद तपस्या की कड़ी में 15 साल तक के बालक बालिकाएँ द्वारा की गई तेलें एवं विशेष तपस्या तथा अठाई एवं विशेष तपस्या करने वाले सभी तपस्वियों का सम्मान किया गया। क्षमापना के प्रसंग पर धार्मिक गुरु शांतिलाल बोहरा ने विशेष प्रकाश डाला एवं क्षमापना पर्व का महत्व समझाया। अंत में सभी पदाधिकारियों ने उपस्थित सभी जनों से सामूहिक क्षमायाचना की तथा एक दूसरे के प्रति क्षमा का आदान प्रदान किया।

भगवान महावीर सर्वज्ञ सर्वदर्शी थे : साध्वी प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में अनेक श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति में पुच्छिस्सुणं की पांचवी गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। साध्वीश्री ने पांचवी गाथा में उल्लिखित भगवान महावीर के नौ गुणों का विवेचन करते हुए कहा कि भगवान महावीर सर्वज्ञ सर्वदर्शी थे। वे कभी भी अभीभूत न होने वाले केवल ज्ञान की धारक थे।

केवल ज्ञान सर्वश्रेष्ठ एवं संपूर्ण ज्ञान होता है जिसमें तीर्थंकर भगवान तीनों लोक एवं तीनों काल की संपूर्ण बातें जानते एवं देखते हैं। वे निष्कलक चरित्र से संपन्न थे। उनके जीवन में कितने ही कष्ट आए पर वे कभी भी चारित्र से डिगे नहीं। वे स्थित आत्मा थे। वे हमेशा ज्ञाता दृष्टा भाव में लीन रहते थे। वे सब कुछ जानते देखते हुए भी अनासक्त रहते थे। वे सर्वोत्तम विद्वान थे। वे निर्ग्रन्थ थे, राग द्वेष से रहित थे। भगवान महावीर सभी जीवों को अभय देने वाले एवं स्वयं निर्भय थे। वे अनायु अर्थात आयु से रहित थे। उन्होंने आगे आयुष्य कर्म का बंध नहीं किया ।

भगवान महावीर दीक्षा लेने से पूर्व तीस वर्ष तक संसार में रहे पर अनासक्त, निर्लिप्त, वैराग्य भाव में रहे। दीक्षा लेने के बाद अपने कर्म काटने हेतु उन्होंने अनार्य देश में विचरण किया। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। सोमवार के पुच्छीसुणं संपुट्ट जाप के लाभार्थी अशोककुमार संतोषदेवी विनायकिया एवं रतनदेवी बडेरा परिवार थे। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संचालन किया।

जालोर समाज के सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम में तपस्वियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जालोर जैन समाज द्वारा आयोजित सामूहिक क्षमापना समारोह का रविवार को लाभार्थी मोहनलाल कर्णराज गांधी परिवार के सौजन्य से पार्श्व शांति भंडारी भवन जयनगर में सम्पन्न हुआ। सदस्यों व लाभार्थियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर वर्षीतप, सिद्धितप के 60 तपस्वियों, अठ्ठाई आदि तपस्या करने वाले कुल 140 तपस्वियों का सम्मान लाभार्थी परिवार द्वारा किया गया। अध्यक्ष गौतम गांधी ने सभी का स्वागत किया तथा सामूहिक क्षमायाचना की। संचालन करते हुए कमेटी के भोपालचंद सोनवाडिया ने समाज की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर नए महिला मंडल का गठन किया। सभी तपस्वियों का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। जालोर जैन युवा समाज के सदस्यों द्वारा नई डायरेक्टरी बनाने के लिए आवश्यक बदलाव के लिए काउंटर लगाया गया। समाज के रमेश भंडारी, हुकमीचंद भंडारी, देवीचंद बोहरा, कांतिलाल राठौड़, जयंतीलाल सोनेगरा, नेमीचंद कानूंगा, पारसमल बोहरा, महावीर मुथा, भंवरलाल गांधी, टीपी गांधी और माधोमल मुणोत समेत अनेक सदस्य उपस्थित थे।

संजयनगर संघ ने मनाया सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के संजयनगर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सदस्यों ने स्थानक में सामूहिक क्षमापना कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में संघ के सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे। इस मौके पर विभिन्न तपस्या करने वाले तपस्वियों का संघ की ओर से सम्मान किया गया। सभी ने एक दूसरे से सामूहिक क्षमायाचना की। संजयनगर संघ के अध्यक्ष कोमल कुमार गांधी ने सभी का स्वागत करते हुए सामूहिक क्षमायाचना की। मंत्री अनिलकुमार गन्ना ने संघ की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

'गणेश उत्सव हमारी संस्कृति व सभ्यता की निशानी है'

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के नरेंद्र युवक मंडल ने गणेशोत्सव मनाया गया जिसमें क्षेत्र के विधायक महेश तेंगिनाकाई सहित अनेक अतिथि शामिल

हुए। इस मौके पर विधायक महेश ने कहा कि गणेश उत्सव मनाना हमारी संस्कृति और सभ्यता की निशानी है। इस कार्यक्रम में विधायक सहित कर्नाटक कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष प्रसाद शेट्टी, सामाजिक कार्यकर्ता विनोदकुमार पटवा, स्थानीय पार्षद मीनाक्षी वंतमुरी, संजय नायक आदि की उपस्थिति ने उत्सव को और गरिमामय बना दिया। सभी अतिथियों ने गणेश उत्सव के शुभकामनाएं देते हुए विश्व शांति की कामना की। इस मौके पर विधायक महेश तेंगिनाकाई ने नई लोकसभा भवन के उद्घाटन की सराहना करते हुए उसे पास होने वाले नारी शक्ति वंदना अधिनियम को महिला सशक्तिरकरण की ओर एक मजबूत कदम बताया।

भाजपा से संबंधों पर चर्चा के लिए अन्नाद्रमुक की आज अहम बैठक

चेन्नई। एआईएडीएमके के पदाधिकारियों की चेन्नई में पार्टी मुख्यालय में होने वाली एक महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के साथ आगे के गठबंधन पर चर्चा होगी। बैठक में पार्टी के जिला सचिव, निर्वाचित पदाधिकारी, सांसद और विधायक शामिल होंगे, जिसमें भाजपा से संबंध रखने पर पार्टी के फायदे और नुकसान पर विस्तृत चर्चा होगी। एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री डी. जयकुमार ने 18 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पार्टी का बीजेपी के साथ कोई गठबंधन नहीं है और 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा बाद में की जाएगी।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com